• जयपुर, बुधवार 20 मई 26 • वर्ष 15 • अंक 203 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIN/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जनगणना जागरूकता रैली को उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी ने ...
पेज @4 दिवा-सावंतवाड़ी एक्सप्रेस का सफर बन रहा ‘नरकयात्रा’!...
पेज @8 ढावा व जारोड़ा के सरकारी विद्यालय की बालिकाओं ने लगवाई एचपीवी ...

आवारा कुत्तों पर आ गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पहले के आदेश पर मुहर, स्कूल-हॉस्पिटल के आसपास इसकी मौजूदगी स्वीकार नहीं

नयी दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर अपने पूर्व के फैसलों को बदलने की मांग को खारिज कर दिया है. Supreme Court of Ind ने आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे और उनसे जुड़ी सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए अपने 25 नवंबर के आदेश में बदलाव करने से साफ इनकार कर दिया है. अदालत ने स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और अन्य संस्थागत क्षेत्रों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश को बरकरार रखा है. साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि हटाए गए कुत्तों को दोबारा उसी स्थान पर छोड़ने की अनुमति नहीं होगी. अदालत ने कहा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों का यह दायित्व है कि लोगों के जीवन की रक्षा करे. राइट टू लाइफ की रक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी है. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कुत्तों को शेल्टर में भेजने के फैसले को वापस लेने की मांग की गई थी.

मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ (Vikram Nath) की अगुवाई वाली बेंच ने की. सुनवाई के दौरान अदालत ने देशभर में बढ़ती स्ट्रे डॉग्स की समस्या पर गंभीर चिंता जताई और राज्यों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए. सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी के अनुपात में आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास नहीं किया गया. अदालत के मुताबिक नसबंदी और वैक्सीनेशन अभियान बिना किसी ठोस और दीर्घकालिक योजना के चलाए गए, जिसके कारण पूरे तंत्र का उद्देश्य प्रभावित हुआ.

राज्य सरकारों पर तीखी टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यदि राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों ने समय रहते दूरदर्शिता के साथ काम किया होता, तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती. अदालत ने यह भी संकेत दिया कि सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मुद्दे पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती. सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को आवारा कुत्तों से होने वाली घटनाओं और बढ़ती शिकायतों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है. अदालत के निर्देशों के बाद अब राज्यों और नगर निकायों पर संस्थागत क्षेत्रों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने और प्रभावी नियंत्रण नीति लागू करने का दबाव बढ़ गया है.

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अह्रें' इ१३ँ उङ्गह्ल३१ङ्ग' (अइउ) गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. अदालत ने चेतावनी दी कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित राज्यों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जा सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी, व्यवस्थित और वैज्ञानिक कदम उठाना बेहद जरूरी है. अदालत ने निर्देश दिया कि देश के हर जिले में कम से कम एक अइउ सेंटर स्थापित किया जाए, जहां प्रशिक्षित पशु चिकित्सकों और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो. अदालत ने माना कि मौजूदा व्यवस्था कई स्थानों पर बेहद कमजोर है और इसका सीधा असर आम नागरिकों की सुरक्षा पर पड़ रहा है.

सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन की बड़ी बातें

- आवारा कुत्तों की स्टरलाइजेशन (नसबंदी) और टीकाकरण जरूरी.
- नगर निगमों आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी, टीकाकरण का काम करेगा.
- सामान्य स्वस्थ कुत्तों को स्टरलाइजेशन और वैक्सीनेशन के बाद उसी क्षेत्र में छोड़ा जाए जहां से उन्हें पकड़ा गया था
- खूंखार रेबीज संक्रमित कुत्ते वापस नहीं छोड़े जाएंगे, उन्हें शेल्टर होम में रखा जाएगा
- संक्रमित और खतरनाक व्यवहार वाले कुत्तों के लिए अलग शेल्टर तैयार किया जाए
- खुले स्थानों, गली या सड़क पर आवारा कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकता
- आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए हर जगह फीडिंग जोन बनाया जाए, वहां बोर्ड, व्यवस्था होगी
- स्कूल–कॉलेज अस्पताल, बस अड्डों को हटाने का निर्देश रहेगा, रेलवे स्टेशन, खेल परिसर से कुत्तों को हटाया जाए
- आवारा कुत्तों के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने का आदेश दिया है. एकसमान आवारा कुत्ते प्रबंधन नीति तैयार होगी
- आवारा कुत्तों को लेकर एबीसी फ्रेमवर्क को ठीक ढंग से राज्य सरकारें और एजेंसियां लागू करें

डॉग बाइट पर गंभीर चिंता

सुनवाई के दौरान अदालत ने देशभर में बढ़ रही डॉग बाइट की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे हवाई अड्डों, रिहायशी इलाकों और शहरी केंद्रों में कुत्तों के काटने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं. अदालत ने विशेष रूप से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में बार-बार कुत्तों के काटने की घटनाएं होना गंभीर प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाता है. कोर्ट ने गुजरात के सूरत में एक जर्मन यात्री को आवारा कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटना का भी जिक्र किया. अदालत ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न केवल नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि शहरी प्रशासन और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती हैं। इससे जनता का प्रशासन पर विश्वास कमजोर होता है.

सीकर एयरपोर्ट परियोजना का विरोध तेज, किसान बोले- पुश्तैनी जमीन किसी कीमत पर नहीं देंगे

सीकर/एजेंसी

राजस्थान के सीकर जिले के तारपुरा इलाके में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा. इसको लेकर सरकार ने प्रशासन को इसका काम शुरू करने के आदेश दिए जा चुके हैं. लेकिन, किसान एयरपोर्ट बनाने का विरोध कर रहे हैं. वे अब खुलकर इसका विरोध कर रहे हैं. आपको बता दें कि सीकर जिले के तारपुरा इलाके में यह ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा. यहां के किसान जमीन अधिग्रहण को लेकर को लेकर नाराज हैं. तारपुरा, बेरी, दादिया और आस-पास के गांवों के किसान इस एयरपोर्ट के विरोध में बड़ी संख्या में सड़कों पर भी उतरे हैं. किसानों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अपनी पुश्तैनी जमीन किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे.

जब इस मामले को लेकर हमने किसानों और ग्रामीणों से बात कि तो उन्होंने कहा कि प्रशासन एयरपोर्ट परियोजना के नाम पर करीब 4000 बीघा जमीन अधिग्रहित करने की तैयारी कर रहा है. किसानों का कहना है कि पहले इलाके में रेलवे लाइन के लिए जमीन ली जा रही है और अब एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहण होगा तो उनके पास खेती के लिए कुछ नहीं बचेगा. उनका कहना है कि यह पूरा इलाका उपजाऊ कृषि भूमि वाला क्षेत्र है, जहां की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है.

● लोगों को अपना पैतृक गांव छोड़ना पड़ सकता है

विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि सरकार विकास परियोजनाओं के नाम पर गांवों के अस्तित्व को खत्म करने की तैयारी कर रही है. किसानों का दर्द यह भी है कि यदि एयरपोर्ट और रेलवे लाइन जैसी परियोजनाएं लागू होती हैं तो हजारों लोगों को अपने पैतृक गांव छोड़ने पड़ सकते हैं. कई किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने अब तक उनसे सीधा संवाद नहीं किया और न ही उनकी सहमति ली गई.

पेट्रोल-डीजल, अनाज से लेकर चाय-चीनी तक... भारत खींच ले हाथ तो मोहताज हो जाएगा नेपाल, फिर भंसार वाली गलती क्यों?

नयी दिल्ली/एजेंसी।

नेपाल एक ऐसा देश है जो चारों तरफ से जमीन से घिरा है. नक्शे को ध्यान से देखें तो समझ आता है कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति कुछ ऐसी है कि उसकी जिंदगी की डोर पूरी तरह भारत से बंधी हुई है. सुबह की चाय की चीनी से लेकर गाड़ियों में दौड़ने वाले पेट्रोल तक, सब कुछ भारत से ही नेपाल पहुंचता है. लेकिन विडंबना देखिए, जिस भारत पर नेपाल की अर्थव्यवस्था और आम जन-जीवन सांस लेता है, उसी भारत के व्यापारियों और आम लोगों के लिए नेपाल 'भंसार' (कस्टम ड्यूटी) जैसे नियम लागू कर देता है. पारंपरिक और दोस्ताना रिश्तों को ताक पर रखकर उठाए जाने वाले ये कदम हैरान करते हैं.

समझने की कोशिश करते हैं कि भारत, नेपाल के लिए क्या अहमियत रखता है और क्यों नेपाल का यह रवैया खुद उसके पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है.

व्यापार और निवेश का सबसे बड़ा सहारा

आंकड़े झूठ नहीं बोलते. अगर नेपाल के कुल व्यापार को देखा जाए, तो अकेले भारत के साथ उसका व्यापार करीब 63.01% है. नेपाली वित्तीय वर्ष 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, यह व्यापार लगभग 8.02 अरब डॉलर का बैठता है. इतना ही नहीं, नेपाल जो कुछ भी दुनिया को बेचता है, उसका सबसे बड़ा हिस्सा यानी कुल निर्यात का भारी-भरकम 67.71% अकेले भारत खरीदता है. नेपाल मुख्य रूप से इलायची, रोल्ड आयरन शीट, खाने का तेल, जूस, प्लाईवुड और जूट जैसी चीजें भारत को बेचकर अपनी जेब भरता है.

सिर्फ व्यापार ही नहीं, नेपाल में होने वाले कुल विदेशी निवेश का एक-तिहाई हिस्सा भारत से जाता है.

संपादकीय

भोजशाला : अब विवाद खत्म हो

धार की भोजशाला, जिसे हिंदू सरस्वती मंदिर और मुसलमान कमाल मौला मस्जिद बताते रहे हैं, के बारे में मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने मंदिर घोषित किया है। हाईकोर्ट ने यह फैसला इस विवादित परिसर की विस्तृत एएसआई सर्वे रिपोर्ट के आधार पर दिया है, जिसमें कहा गया है कि भोजशाला में डेढ़ सौ से अधिक ऐसे प्रमाण, हिंदू प्रतीक चिन्ह मिले हैं, जिसके आधार पर यह माना जा सकता है कि यहां मस्जिद बनने से पहले कोई मंदिर रहा होगा। सर्वे में कुछ इस्लामिक प्रतीक चिन्ह भी मिले हैं, लेकिन उनकी संख्या तुलनात्मक रूप से काफी कम है। वैसे भी लोकमान्यता रही है और कुछ ऐतिहासिक उल्लेख भी हैं कि 11वीं सदी में राजा भोज ने यहां भोजशाला का निर्माण कराया था, जो विद्याध्ययन और हिंदू आराधना स्थल का केन्द्र रही थी। जाहिर है कि मुस्लिम पक्ष इससे सहमत नहीं है और उसने एएसआई रिपोर्ट को 'झूठ का पुलिंदा' करार देते हुए हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का ऐलान किया है। हालांकि इस बीच इंदौर हाईकोर्ट बेंच के आदेश के मुताबिक भोजशाला में हिंदू समाज ने पूजा अर्चना शुरू कर दी है। कोर्ट ने मुस्लिम समाज द्वारा यहां शुक्रवार को अदा की जाने वाली नमाज को पूरी तरह रोक दिया है। हालांकि हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि मुस्लिम अगर चाहें तो भोजशाला के बदले कोई दूसरी मस्जिद बनाने के लिए राज्य सरकार से जमीन मांग सकते हैं। फैसले के मुताबिक अब इस जगह पर एएसआई का पूरा नियंत्रण रहेगा। एएसआई ही इमारत की देखभाल, संरक्षण और रखरखाव करेगा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अदालत के आदेशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। चूंकि इस पूरे मामले पुरातात्विक प्रमाण और आस्था का मसला कम सियासी गुणाभाग ज्यादा है। यही कारण है कि फैसला आते ही असदुद्दीन ओवैसी जैसे कई मुस्लिम नेता इस विवाद में कूद पड़े हैं। ओवैसी ने तो यहां तक कह दिया कि धार के धर्मस्थल विवाद पर कोर्ट का फैसला भी बाबरी मस्जिद जैसा ही है। लेकिन दोनों में फर्क यह है कि भोजशाला में बाबरी ढांचे की तरह हिंदुओं ने कोई इमारत गिराई नहीं है। वो केवल ऐतिहासिक और पुरातात्विक प्रमाणों के आधार पर भोजशाला पर अपना अधिकार जता रहे थे। अयोध्या मामले में कोर्ट ने आस्था और पुरातात्विक प्रमाणों को फैसले का आधार माना था। जबकि यहां तो पुरातात्विक प्रमाण साफतौर पर कह रहे हैं कि भोजशाला 11 सौ साल तक एक मंदिर ही था, 14वीं में उसे आंशिक रूप से ध्वस्त कर वहां मस्जिद बनाई गई। मुस्लिम पक्ष का यह भी तर्क है कि यह फैसला 1991 में बने कानून कि देश के सभी धर्मस्थलों को 15 अगस्त 1947 की स्थिति में यथावत रखने की भावना का उल्लंघन है। लेकिन यह कानून में किसी भी धर्मस्थल के धार्मिक उपयोग और प्राचीनता पर संशय होने पर उसका पुरातात्विक सर्वे करने से रोक नहीं लगाता। मुस्लिम पक्ष जो भी कहे, लेकिन एएसआई ने सर्वे का काम पूरी निष्पक्षता और कोर्ट की गाइड लाइन के मुताबिक ही सम्पन्न किया है। हर चीज का रिकॉर्ड मौजूद है। ऐसे में मुस्लिम पक्ष का यह तर्क कि वहां पहले कोई मंदिर था ही नहीं और मस्जिद ही बनाई गई थी, सबूतों की स्पष्टता के आगे नहीं टिकना मुश्किल है। हिंदू पक्ष इंदौर बेंच के फैसले को हजार साल की लड़ाई के बाद मिली जीत बता रहा है, लेकिन इससे देश में धर्म स्थल विवादों का नया पिटारा खुल जाएगा। क्योंकि देश में ऐसे अनेक धर्मस्थल हैं, जिन्हें मुस्लिम शासनकाल में ध्वस्त कर मस्जिदें बना दी गईं।

मजहब तार्किक तो बचेंगे लोकतंत्र और मनुष्यता

सारी दुनिया हिंसा की चपेट में हैं और हिंसा की आग बढ़ती जा रही है। इसका अंत कहां होगा, क्या दुनिया में कोई समझ विकसित होगी, या दुनिया का एक तानाशाह होगा, या दुनिया नष्ट होगी, ये विकल्प हैं जो अनुत्तरित हैं। इसका उत्तर भी किसी व्यक्ति को देना या विचार या दर्शन को देना आज सम्भव नहीं है। फिलहाल तो विश्व ताकत का विश्व बन रहा है। भारत की पुरानी कहावत जिसकी लाठी उसकी भैंस सारी दुनिया पर चरितार्थ हो रहा है। युद्ध की आग फैलती जा रही है। पिछले तीन वर्ष रूस और यूक्रेन युद्ध के थे। रूस-यूक्रेन के दुर्लभ खनिज तत्वों पर कब्जा करने के लिए और अपने पुराने सोवियत रूस यानी यूएसएसआर जो 1986-87 में बिखर चुका है, उसे वापस लाने की योजना में है। यूक्रेन युद्ध उसी का एक हिस्सा है।

रघु ठाकुर

अमेरिका ने भी लगभग उसी तर्ज पर यानि ताकत के दम पर लैटिन अमेरिकी देशों को अपने कब्जे में लेने का उपक्रम शुरू कर दिया है। उसकी भी दृष्टि उसी प्रकार की लगती है कि अमेरिका गोलार्ध के सभी देश अमेरिकी हिस्से हैं और लाजिमी तौर पर उन्हें अमेरिका के पीछे चलना चाहिए। इन दो महाशक्तियों का यह ताकत का खेल दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध की ओर ले जा रहा है। वेनेजुएला पर कब्जे के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का अगला निशाना क्यूबा, ग्रीनलैंड पर है। इसके पीछे दृष्टि वहीं भूसम्पदा जो अमेरिकी विलासिता, सम्पन्नता, सामरिक शक्ति के लिए जरूरी है, उस पर कब्जा करने की है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन का साथ देने के नाम पर अमेरिका ने यूक्रेन से युद्ध में सहयोग के खर्च की वसूली में लगभग बत्तीस लाख करोड़ के दुर्लभ खनिज पदार्थों को वसूलने का फैसला कर लिया है। अमेरिका का यूक्रेन को समर्थन कोई नैतिक या लोकतांत्रिक आधार पर नहीं है। लोकतांत्रिक दुनिया के लिए भी नहीं, बल्कि अपनी लूट के लिए इस्तेमाल करने के लिये है। जिस प्रकार जंगल में शेर अपनी अपनी सीमाओं को बांध लेते है। उसके अंदर वही शिकार कर सकते हैं। एक जमाने के दस्युदल अपने-अपने इलाके बांटे हुए थे। उनके बीच वहीं लूटपाट कर सकते थे। राजे रजवाड़े अपने अपने राजपाट की सीमा बांटे हुए थे। उसी हिसाब से वहां के लोगों की राजस्व वसूली कर सकते थे। इसी प्रकार अब दुनिया का निर्माण हो रहा है जो सामरिक शक्ति, आर्थिक शक्ति के आधार पर वैश्विक सीमाओं की नयी सीमा रेखाएं खींच रहे हैं। सम्भावित तीसरा युद्ध किसी तानाशाह के खिलाफ नहीं, बल्कि नया तानाशाह बनने के लिए है। दिमागी तौर पर भी दुनिया अपने अपने मजहबी कट्टरपंथों में बंटी है। एक-दूसरे से भयभीत हैं। एक-दूसरे को साम्प्रदायिक घोषित करती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर मजहब में कुछ अच्छाइयां हैं, परंतु परम्परा के तौर पर कुछ कट्टरता और अंधविश्वास भी है।

ताकत के दम पर सामरिक शक्तियां दूसरे देशों को गुलाम बनाने के प्रयास करती हैं। मजहब भी अपनी परंपराओं की कट्टरता तथा धर्मगुरुओं की अलोकतांत्रिक शिष्टता को स्थापित करता है। आजकल यह जुमला अमूमन सुनने को मिलता है कि हिन्दू पंथ उदार है जिसने अन्य पंथों को स्वीकार किया है। मुस्लिम भाई कहते हैं कि वे जन्मना सेक्युलर हैं क्योंकि भाजपा के खिलाफ मतदान करते हैं। ईसाई मुल्क ईसा को मानते हैं और प्रेम तथा सेवा को अपने मजहब का लक्ष्य बताते हैं। परंतु जमीनी तौर पर दुनिया में कहीं भी प्रेम और सेवा करते नजर नहीं आते। पता नहीं क्यों और कैसे मजहब का मानसिक फैलाव उस समाज के हिस्से में परंपरा के तौर पर होता रहता है। कई बार ऐसा लगता है कि इन मजहबों के के पीछे अध्ययन-अध्यापन, चिंतन-मनन- दर्शन कम है, बल्कि जन्मना पैतृक परंपरायें मुख्य कारण हैं। मेरा तो दशकों से यह मत रहा है कि यदि दुनिया को लोकतांत्रिक बनाना है तो धर्मों का भी लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। एक बालिग व्यक्ति को अपना धर्म चुनने का अधिकार होना चाहिए। जन्म से धर्म न थोपा जाये। परिपक्व आयु तक, जिसे 18 वर्ष माना गया है, उसे हिन्दू-मुसलमान-सिख-इसाई के रूप में न देखा जाये। अठारह वर्ष के बाद उसे अधिकार हो कि वह चाहे तो किसी धर्म को चुने या न चुने, यह उसका अपना अधिकार हो। धर्म भी दुनिया में या भारत में अलोकतांत्रिक मानस बनाने का माध्यम है जिसमें निष्पक्षता से ज्यादा पक्षपात ज्यादा है। किसी भी एक धर्म को मानने वाला व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों को सम्पूर्ण रूप से स्वीकार करता है। उसके अच्छे-बुरे दोनों पक्षों को स्वीकार करता है। उनकी त्रुटियों के ऊपर न उंगली उठाता है, न बोल पाता है, बल्कि उनकी सफाई देता है। धर्म के दार्शनिक पक्ष गौण हो गये हैं, प्रतीक महत्वपूर्ण। एक हिन्दू के लिए चोटी-जनेऊ धर्म होना है पर दूसरे का भला करना परहित सरिस धरम नहिं भाई केवल शब्द भर रह गये हैं और प्रतीक महत्वपूर्ण हो गये हैं। लगभग यही स्थिति मुसलमान भाइयों की भी है। दाढ़ी-कपड़े, पहनावा में मुस्लिम दिखना उनके लिए ज्यादा जरूरी लगता है, भले इस्लाम की किसी अच्छी बात को न स्वीकार करें। कितने मुसलमान भाई सोने से पहले पड़ोसियों की पीड़ा या भूख का पता करते हैं? केवल परम्पराएं ही मजहब बन गई हैं, दार्शनिक पक्ष शून्य हो गया है। यही स्थिति ईसाई, सिक्ख या अन्य धर्म पंथों की भी बन रही है। पिछले दिनों मैं इस्लाम को मानने वाले एक मित्र के घर ईद पर मिलने गया था। वहां काफी मच्छर थे। परंतु वे मच्छरों को मारने के लिए बिजली के करंट वाला जाला इस्तेमाल नहीं करते। उनका कहना है कि इस्लाम में जलाकर मारने पर रोक है। मैंने उनसे कहा कि मच्छरों को मारना दवा, धुंए या जाल से हो क्या फर्क पड़ता है? उन्होंने कहा कि जला कर मारने वाले के लिए दोजख की सजा है। फिर बोले-मजहब तो मजहब है। मैंने उनसे कहा इन अंधविश्वास आधारित मजहबी परंपराओं को बदलना चाहिए। वे चुप हो गए परंतु उन्हें मन से मेरी बात स्वीकार नहीं थी। अभी कुछ दिन पहले एक और मुस्लिम भाई मिले थे। उनके बेटे-बहू के बीच 12 साल पहले तलाक हो गया है, पर दोनों ने दोबारा शादी नहीं की। हमारे मित्र अपने नाती को लेकर चिंतित थे, उससे मिलना चाहते थे जो अपनी मां के पास है। अपने नाती से मिलने के लिए वे कोर्ट में मुकदमा करने की तैयारी में हैं। मैंने उनसे कहा कि जब दोनों ने पुनर्विवाह नहीं किया और किसी छोटी-मोटी बात पर अलगाव था तो उनका दोबारा पुनर्विवाह कर देना चाहिए, ताकि नाती के प्रति आपकी और आपके बेटे की चिंताओं का हल हो सके। वह बड़े दुरूख के साथ बोले-क्या करें....हमारे मजहब में जो इद्दत की व्यवस्था बना दी गई है उसे कैसे तोड़ें...यह साहस मुझ में नहीं कि मैं सारे समाज का मुकाबला कर सकूं। मैंने उनसे कहा इद्दत एक परंपरा है। हो सकता है उसका आधार कभी रहा हो। बार-बार होने वाले तलाक या झगड़ों को समाप्त करने के लिए यह कठोर और अमानवीय बंधन लगाया गया हो, पर अब इसका क्या औचित्य। हमारे मुस्लिम मित्रों में भी अपनी समाज के सामने खड़े होने का सामर्थ्य नहीं।

धर्मसत्ता के लिए संकीर्णता और कुछ कट्टरता जरूरी है। संकीर्णता और कट्टरता मूलतरू अलोकतांत्रिक है। मैं अमेरिका और इजरायल के द्वारा ईरान पर किए गए हमले का विरोध करता हूं। परंतु मैं हिजाब का विरोध करने वाली बेटियों को इस्लामी गार्ड के माध्यम से पीड़ित करके जेलों में डालने के भी खिलाफ हूं। हमारे मुस्लिम भाई अमेरिकी हमले का विरोध तो करते हैं ,जो किया जाना चाहिए परंतु हिजाब का विरोध कर रहीं पांच हजार बच्चियों को जेल में डाले जाने का समर्थन करते हैं। वे भारत में धर्म के नाम पर मॉबलिंचिंग का विरोध करते हैं, जो किया जाना चाहिए ,परंतु बांग्लादेश और पाकिस्तान में वहां के अल्पसंख्यकों की मॉबलिंचिंग या ईश-निंदा कानून के नाम पर हो रही कट्टरपंथी ज्यादती को उचित मानते हैं। अपने कट्टरपंथ को तार्किक बताना और दूसरे के कट्टरपंथ को गलत बताना, यह सिलसिला चल रहा है।

मैं समझता हूं कि अब हर व्यक्ति को अपने मजहब की कट्टरपंथी परंपरा के खिलाफ खड़े होना चाहिए। हिंदू-मुसलमान अपनी-अपनी कट्टरता के खिलाफ खड़े हों। जब ऐसा होगा तभी दुनिया बेहतर हो सकती है, तभी लोकतंत्र बच सकता है। परंतु इक्कीसवीं सदी के समाज ने पीड़ाओं को भी मजहबी आधार पर महसूस करना सीख लिया है। निस्संदेह अमेरिका और इजरायल का ईरान पर हमला घोर निंदनीय है, परंतु ईरान के द्वारा खाड़ी के इस्लामी देश सऊदी अरब-बहरीन-कुवैत आदि पर हमला कैसे जायज ठहराया जा सकता है। ईरान ने इन देशों के अमेरिकी सामरिक अड्डों पर हमला किया था। परंतु इन सामरिक अड्डों का इस्तेमाल अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नहीं किया था। ईरान के हमले से सुन्नी पंथ के निर्दोष लोग मौत के शिकार हुए। लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित राष्ट्रपति पेजेस्ट्रियन ने सार्वजनिक बयान देकर माफी मांगी और अपनी इस गलती को स्वीकार किया।

परंतु मजहबी नेता खामेनेई ने निर्वाचित राष्ट्रपति को पीछे कर सार्वजनिक रूप से ईरान द्वारा किए गए हमले का बचाव किया। मतलब साफ है कि ईरान में लोकतंत्र नाममात्र का है और सारी शक्ति धार्मिक मुखिया के पास है। अन्य स्थानों पर लोकतंत्र का समर्थन करने वाले और धर्मसत्ता का विरोध करने वाले मुस्लिम भाई ईरान की धर्मसत्ता का विरोध नहीं करते। हम हिंदू राष्ट्र और हिंदू धर्मसत्ता के खिलाफ हैं। इसके लिए दंड सहना पड़े या जान देनी पड़े, हम तैयार हैं। परंतु हम इस्लामिक या ईसाई धर्म सत्ता के भी खिलाफ हैं। और उसे भी स्वीकार नहीं करेंगे।

मेरी राय में धर्मगुरुओं और समूहों का काम इंसान को नैतिक, मानवीय, आध्यात्मिक बनाना होना चाहिए। राजनीतिक ताकत पूर्णतः निर्वाचित सत्ता के पास होनी चाहिए। दरअसल जरूरी यह है कि दुनिया को तार्किक लोकतांत्रिक मानवीय और मूल्य आधारित बनाया जाना चाहिए। परंतु कुछ यक्ष प्रश्न और यक्ष उत्तर हैं। यक्ष प्रश्न तो इतिहास में मिलते हैं, यक्ष उत्तरों की चर्चा नहीं होती।

अध्यात्म

जब कालिदास को हुआ अपनी गलती पर पछतावा

महाकवि कालिदास के जीवन के कई ऐसे प्रसंग हैं, जिनमें सुखी जीवन के सूत्र बताए हैं। वे बहुत ज्ञानी थे, लेकिन एक समय उन्हें इस बात पर घमंड हो गया था। इसके बाद एक महिला ने उन्हें समझाया कि ज्ञान के साथ घमंड नहीं होना चाहिए।

प्रचलित प्रसंग के अनुसार एक दिन महाकवि कालिदास एक नगर से दूसरे नगर जा रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी। वहीं उन्हें एक कुआं दिखाई दिया, वहां गांव की एक महिला पानी भर रही थी। कालिदास ने महिला से कहा कि मुझे प्यास लगी है, कृपया पानी दीजिए। महिला ने कहा कि मैं आपको नहीं जानती हूं, कृपया अपना परिचय दें। इसके बाद मैं पानी दे दूंगी।

कालिदास को अपने ज्ञान पर घमंड था, उन्होंने अपना नाम न बताते हुए कहा कि मैं मेहमान हूं। महिला बोली कि आप मेहमान कैसे हो सकते हैं, संसार में सिर्फ दो ही मेहमान हैं, एक धन और दूसरा यौवन।

गांव की महिला से बात सुनकर कालिदास हैरान रह गए। उन्हें उस महिला से ऐसी बात की उम्मीद नहीं थी। वे फिर बोले कि मैं सहनशील हूं। महिला ने कहा कि आप सहनशील नहीं है, इस संसार में सिर्फ दो ही सहनशील हैं। एक ये धरती जो पापी और पुण्यात्माओं का बोझ उठाती है। हमें खाने के लिए अनाज देती है। दूसरे सहनशील पेड़ हैं, जो पत्थर मारने पर भी फल ही देते हैं।

कालिदास ने फिर कहा कि मैं हठी हूं। महिला बोली कि आप फिर झूठ बोल रहे हैं। हठी दो ही हैं। एक हमारे नाखून और दूसरे बाल। इन्हें बार-बार काटने पर भी फिर से बढ़ जाते हैं। महिला से ऐसी ज्ञान वाली बातें सुनकर कालिदास हार मान गए और बोले कि मैं मूर्ख हूं। इस पर महिला ने कहा कि मूर्ख भी दो ही हैं। एक राजा जो बिना योग्यता के भी सब पर राज करता है। दूसरे दरबारी जो राजा को खुश करने के लिए गलत बात पर भी झूठी प्रशंसा करते हैं।

अब कालिदास महिला के चरणों में गिर पड़े और पानी के याचना करने लगे। तभी महिला ने कहा उठो वत्स। कालिदास ने ऊपर देखा तो वहां देवी सरस्वती खड़ी थीं। देवी ने कहा कि शिक्षा से ज्ञान मिलता है, न कि घमंड। तूझे अपने ज्ञान का घमंड हो गया था। इसीलिए तेरा घमंड तोड़ने के लिए मुझे ये सब करना पड़ा। कालिदास को अपनी गलती पर पछतावा होने लगा। उन्होंने देवी से क्षमा याचना की। देवी प्रसन्न होकर अंतर्ध्यान हो गईं। इसके बाद उन्होंने कभी भी घमंड नहीं किया।

अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान भारतीय विपक्ष, मोदी विरोधी मीडिया और कुछ चरमपंथियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पश्चिम एशिया की इस विषम स्थिति में दोषी ठहराने के आरोप लगाए थे। कूटनीतिक रणनीति में पाकिस्तान को केवल इसलिए सफल ठहराने के कसीदे काढ़े गए, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच असफल रहीं समझौते की बैठकें इस्लामाबाद में हुई थीं। यह भी आशंकाएं जताई जा रही थीं कि स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण भारत और ईरान के संबंधों में खटास उत्पन्न हो रही है। किंतु अब इन सब कुशंकाओं के विपरीत भारत दौरे पर आए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ईरान में भारत के सहयोग से निर्माणाधीन चाबहार बंदरगाह को एक सुनहरे दरवाजे और सहयोग का प्रतीक बताते हुए उम्मीद जताई कि भारत इस रणनीतिक बंदरगाह को विकसित करना जारी रहेगा।

ईरान को चाबहार बंदरगाह विकसित करने की उम्मीद

प्रमोद भार्गव

भारत ही इस क्षेत्र में प्रभावशाली रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। अराघची ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में ठहरे थे। यहीं उनकी विदेश मंत्री एस. जयशंकर से हुई द्विपक्षीय हुई वार्ता में यह बात निकलकर आई है।

अराघची ने इस बंदरगाह के विकास में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना में सुस्ती आ गई है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और फिर इस आवागमन मार्ग के रूप में यूरोप तक पहुंचने का सुनहरा दरवाजा साबित होगा। साथ ही यूरोपीय लोगों, मध्य-एशियाई लोगों और अन्य लोगों के लिए हिंद महासागर तक पहुंचने का भी माध्यम बनेगा। यह रणनीतिक दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण बंदरगाह है। ईरान और भारत के अलावा अन्य देशों के लोगों के लिए भी यह बंदरगाह उपयोगी साबित होगा। अतएव मुझे उम्मीद है कि भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना को पूरा करेगा ताकि अन्य देश भी इसका लाभ उठा सकें। अराघची ने यहां तक कहा कि भारत ही वह देश है, जो पश्चिम एशिया में शांति के लिए अहम भूमिका निभा सकता है।

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के बाद आया अराघची का बयान इस बात का संकेत है कि भारत ही वह देश है, जिससे शांति और समावेशन की उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि इस भू-राजनीतिक क्षेत्र के ईरान समेत लगभग सभी देशों से भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते अराघची के बयान को बढ़ते ऊर्जा और आर्थिक संकट के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक चिंता के रूप में भी देखने की जरूरत है। दरअसल भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित शाहिद बेहेस्ती बंदरगाह के संचालन के लिए एक समझौता किया हुआ है। 10 वर्षों के लिए हुए इस समझौते पर दोनों देशों के संधि पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके थे। परंतु हस्ताक्षर के चंद घंटों बाद भी ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते यह समझौता खटाई में पड़ा हुआ है। इंडियन पोर्टस ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच 13 मई 2016 को समझौता हुआ था। भारत के तबके जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोबाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड को करीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करना था। भारत सरकार की यह संस्था सागरमाला विकास कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित शाहिद बेहिश्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही इस कंपनी को अस्तित्व में लाया गया था। इसका लक्ष्य भूमि से घिरे अफगानिस्तान और मध्य-एशियाई देशों के लिए मार्ग तैयार करना था। यह कंपनी कंटेनरों के संचालन से लेकर वेयरहाउसिंग तक का काम करती है। इंडिया पोर्ट ने इस बंदरगाह का संचालन

सबसे पहले साल 2018 के अंत में शुरू किया था। तब ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मानवाधिकार उल्लंघन और चरमपंथी संगठनों को मदद करने के आरोप में अमेरिका ने ईरान पर अनेक व्यापक असर डालने वाले प्रतिबंध लगा दिए थे। 1998 में जब पोखरण में भारत ने परमाणु परीक्षण किया था तब भी अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए थे। भारत सरकार को अपने पूंजी निवेश से इस बंदरगाह पर पांच गोदियों का निर्माण करना है। इनमें से दो बनकर तैयार हो गई हैं। इनमें से एक पर जब भारत का गेहूं से भरा पहला जहाज इस बंदरगाह पर पहुंचा था, तब उसकी अगवानी ईरान के तब के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने की थी। इसी के साथ इस बंदरगाह का औपचारिक उद्घाटन भी संपन्न हो गया था। भारत के लिए यह बंदरगाह आर्थिक, सामरिक एवं रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पहले चरण को 'शाहिद बेहिश्ती पोर्ट' के नाम से जाना जाता है। वैसे चाबहार का अर्थ चारों ओर बहार अर्थात् खुशहाली से है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इस बंदरगाह की भौगोलिक स्थिति बेहद अहम् है।

चाबहार ओमान की खाड़ी में स्थित है। अतएव यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया, यूरोप, रूस और अफगानिस्तान में प्रवेश के लिए एक द्वार माना जाता है। चाबहार के सबसे निकट गुजरात का कंडला बंदरगाह 1016 किमी और मुंबई बंदरगाह की दूरी 1455 किमी है। यहां से महज 140 किमी दूर पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह है। इसे चीन ने विकसित किया है। यह बहुत पहले से संचालित है। दरअसल पाकिस्तान ने कूटनीतिक चाल चलते हुए अपने क्षेत्र से भारतीय जहाजों को अफगानिस्तान ले जाने से मना कर दिया था। नतीजतन भारत ने वैकल्पिक मार्ग की तलाश किया और चाबहार बंदरगाह ईरान के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते के बाद अस्तित्व में आया। भारत के लिए यह रास्ता इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक और चीन की मिली-जुली रणनीति के तहत भारत को दक्षिण एषिया में हाशिए पर डालने की कुटिल चाल अपनाई हुई है। चीन ने दक्षिण एशिया में बड़ा पूंजी निवेश करते हुए पाक, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल आदि देशों से मजबूत आर्थिक व सामरिक संबंध बना लिए हैं। इनके जरिए चीन एवं पाक ने भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को प्रतिबंधित करने की कोशिश की थी, जो अब तक नाकाम रही है। भारत से बंदरगाह बनवाए जाने की बुनियाद 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और ईरानी राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी ने डाली थी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक पहल के बाद परवान चढ़ना शुरू हुई, लेकिन प्रतिबंधों के चलते अधूरी है।

अटल बिहारी वाजपेयी जब प्रधानमंत्री थे, तब 2003 में ईरान के तत्कालीन खातमी दिल्ली आए थे। तभी भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को विकसित करने व रेल लाइन बिछाने और कुछ सड़कें डालने के समझौते हो गए थे, लेकिन विवादित परमाणु कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण भारत इन कार्यक्रमों में रुचि होने के बावजूद कुछ नहीं कर पाया था। इस समय भारत को परमाणु शक्ति के रूप में उभरने व स्थापित होने के लिए अमेरिकी सहयोग व समर्थन की जरूरत थी।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

आज खुशियों की हल्की-हल्की दस्तक आपके दिन को खास बना सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है।

वृषभ

पैसों से जुड़ी बातें किसी से शेयर करने से बचें। शेयर मार्केट में सोच-समझकर कदम बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। करीबी अचानक मिलने आ सकता है।

मिथुन

आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। मेहनत का फल धीरे-धीरे मिलना शुरू होगा। संतान की खुशी के लिए कोई नई खरीदारी संभव है।

कर्क

परिवार के मुद्दों को प्यार और समझदारी से सुलझाने की जरूरत होगी। प्रॉपर्टी या लोन से जुड़े मामलों में अच्छी प्रगति हो सकती है।

सिंह

रुके हुए काम पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। बिजनेस में पार्टनर के साथ नई योजनाओं पर चर्चा लाभदायक साबित हो सकती है।

कन्या

आज बड़े सपनों को हकीकत में बदलने की शुरुआत हो सकती है। किसी जरूरतमंद की मदद करके आपको आत्मिक खुशी मिलेगी। यात्रा फिलहाल टाले।

तुला

आज सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत होगी। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन समझदारी से आप हर स्थिति संभाल लेंगे।

वृश्चिक

आज परिवार और सेहत दोनों पर खास ध्यान देने की जरूरत है। जीवनसाथी के साथ छोटी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन रिश्ता और मजबूत होगा।

धनु

आज आपका प्रभाव और सम्मान दोनों बढ़ते नजर आएंगे। घर में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम से खुशियों का माहौल बनेगा। सरकारी कामों में प्रगति मिलने की संभावना है।

मकर

आज अधूरी इच्छाएं पूरी होने के संकेत हैं और मेहनत रंग लाती दिखाई देगी। बॉस आपकी कार्यशैली से खुश रहेंगे। समाज सेवा या परोपकार के कार्यों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

कुंभ

नया काम शुरू करने का विचार फायदेमंद साबित हो सकता है। रिश्तेदारों के साथ छोटी बहस हो सकती है, लेकिन बड़ों का सहयोग आपको संभाल लेगा।

मीन

आज मन में चल रहा संशय आपको थोड़ा उलझन में डाल सकता है। कोई महत्वपूर्ण डील आखिरी समय में अटक सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

संक्षिप्त समाचार

नादाना में अलख धाम की नवमी वर्षगांठ पर हुई विशाल भजन संध्या

चमकता राजस्थान/मोहन भटनागर नाडोल। नादाना भाटान गांव में अलख धाम पांच गांव मन्दिर की नवमी वर्षगांठ पर विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोस ने बताया कि भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन कलाकार भवरुखां ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। साथ ही गुरु मारवाड़ी ने भी बाबा रामदेवजी के भजनों से समा बांधा। मंच संचालन सुरेश सोनल फतापुरा ने किया। साथ ही महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि श्रवणसिंह व चामुण्डा माता भोपाजी बाबुलाल देवासी का पांच गांव के पंच पटेलों द्वारा माला साफा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं बाहर से आये मेहमानों का भी स्वागत किया गया। इस मौके पर पुनाराम राठोड़, बुदाराम विरायक्ष , धनाराम विरायक्ष, विजय कुमार, चुन्नीलाल विरायक्ष, समाजसेवी सोहनलाल परिहार, ओमप्रकाश सीब्डा,भीकाराम लोगेसा जसाराम भाटी, मोहनलाल पलासिया, बाबुलाल, जीवाराम परिहार, मोहनलाल जोगसन, फोजाराम, रणजीत भोपाजी, भेराराम पतालिया, हीराराम बोस, जसाराम बोस, मांगीलाल जोधा, दिनेश कुमार, अशोक कुमार परिहार, कपुराराम, बुदाराम मुसा, जगदीश कुमार सहित पांच गांव के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सादड़ी बाल अभिरुचि शिविर में बालकों ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

चमकता राजस्थान/(सादड़ी)। पार्लभारत विकास परिषद शाखा सादडी की ओर से फालना मार्ग स्थित रांकावत वाटिका में 7 दिवसीय बाल अभिरुचि शिविर का सोमवार से शुरू हुआ। इसमें पहले दिन नन्हों को आत्मरक्षा के गुर बताए गए। भाविप सचिव शिक्षाविद् गिरधारीलाल देवड़ा ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थियों में शारीरिक मानसिक व बौद्धिक अभिरुचि विकास को लेकर सोमवार को भाविप अध्यक्ष सुशीला सोनी व संरक्षक हस्तीमल वैष्णव, प्रांतमन्त्री विजयसिंह माली के सानिध्य में शिविर शुरू हुआ। शिविर के पहले दिन 42 बालकों भाग लिया। उन्हें योग प्रशिक्षक मोहनलाल सोलंकी, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सरस्वती पालीवाल व कालूराम गोयल ने योग, प्राणायाम, आसन, आत्मरक्षा आदि का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर अध्यक्ष सुशीला सोनी ने कहा कि बालक के समग्र विकास व व्यक्तित्व निर्माण में अभिरुचि का महत्वपूर्ण योगदान होता है। भंवरलाल सुथार व हनवंतसिंह मेड़तिया ने बताया कि भाविप शाखा वर्षपर्यंत सेवा कार्यों व सेवा गतिविधियों का आयोजन करती है इसी श्रृंखला में बाल अभिरुचि शिविर भी एक गतिविधि है। इसमें पालिका क्षेत्र से कक्षा 1 से 8 तक अधिकाधिक विद्यार्थियों को भाग लेना चाहिए।

दो दिवसीय लख्खी मेला आज से

चमकता राजस्थान/चौथ का बरवाड़ा/सुरेश खटाना। चौथ का बरवाड़ा उपखंड क्षेत्र पर भगवान देवनारायण का दो दिवसीय लकी मेला आज शाम प्रतिबद्ध सम्मान समारोह से शुरू होगा जो कल महाप्रसादी वितरण के बाद समाप्त होगा।शाम 7 बजे से राष्ट्रीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह का किया जाएगा आयोजन जिसमे समाज के भामाशाह सहित अतिथिगण लेंगे भाग ।उसके बाद जोधपुरिया देव धाम से पधारने वाले भोपा जी द्वारा कमल का फूल मांडने के कला का किया जाएगा आयोजन सारी रात भजनों की बहेगी बहार ओर गुर्जर बगड़ावत अपने गायन का करेंगे प्रदर्शन ।अल सुबह महा आरती बाद भगवान देवनारायण की भव्य झांकी अखाड़े बाजों के साथ भ्रमण पर कस्बे में निकलेंगे ।जो मुख्य बाजार होते हुए मंदिर परिसर पहुंचेगी जिसके बाद पद दंगल सहित भामाशाह सम्मान समारोह ओर महा प्रसादी वितरण की जाएगी।देव मंदिर अध्यक्ष बत्तीलाल गुर्जर अनुसार पूरे हिंदुस्तान से गुर्जर सरदार मेले में पधारकर मेले को सफल बनाकर भगवान देवनारायण का दर्शन कर परिवार के लिए मनोकामना पूर्ण करने की मन्नत करेंगे

जनगणना का प्रथम चरण शुरु, घर घर घूम रहे प्रगणक

चमकता राजस्थान/डग-19मई(कुन्दन व्यास)। नगरपालिका डग क्षेत्र में जनगणना के प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी हे जिसके चलते प्रगणक गली मोहल्लो में दिखाई देने लगे हे।चार्ज जनगणना अधिकारी कंचन बोहरा ने बताया की प्रथम चरण में नगर के भवानो एवं मकानो का चिन्हिकरण एवं गणना होंगी जिसके लिए नगर को 28 ब्लॉक में बांटा गया हे वही फिल्ड ट्रेनर कुलदीपक मेवाडा ने बताया की 28 ब्लॉकों के लिए 28 प्रगणक एवं 3 रिजर्व प्रगणको को लगाया हे एवं इनको मॉनिटर करने के लिए 6 पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया हे, आपको बता दे की नियुक्त प्रगणक 16 मई से 14 जून तक मकानों एवं भवनो की गणना एवं चिन्हिकरण करेंगे,चार्ज अधिकारी बोहरा ने आमजन से अपील की हे की जनगणना करने आये कर्मचारी का आमजन सहयोग करें उन्हें सही एवं सटीक जानकारी दे जिससे की सरकार को नगर की वास्तविक जानकारी मिल सके।

---

3 बार मुख्यमंत्री रहने के बाजवूद गहलोत ने प्रदेशवासियों के लिए नहीं की पानी की स्थायी व्यवस्थाः मदन राठौड़

विपक्ष गैस और पेट्रोल को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाकर कर रहा है केवल नाटकबाजीः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष के बेबुनियादी आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत तीन बार राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन वे जोधपुर सहित प्रदेश में स्थायी जल व्यवस्था तक सुनिश्चित नहीं कर पाए। यह सोचने का विषय है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने समुचित व्यवस्थाएं विकसित नहीं कीं। वर्तमान भाजपा सरकार जल संकट के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। राठौड़ ने कहा कि जोधपुर में पानी की आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है, हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ समस्याएं सामने आई हैं। राज्य सरकार घर-घर जल पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाखड़ा बांध से क्लोजर आने के कारण कुछ समय के लिए परेशानी उत्पन्न हुई थी, लेकिन अब धीरे-धीरे व्यवस्थाएं सामान्य हो रही हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा कार्यालय का घेराव करने से पहले आत्ममंथन करना

चाहिए। जिन घटनाओं को लेकर वे आरोप लगा रहे हैं, उनका भाजपा से कोई संबंध नहीं है। यह सब कांग्रेस से जुड़े लोगों का ही किया हुआ कारनामा है। इसमें भाजपा का कोई दोष नहीं है। गैस–तेल संकट पर राठौड़ ने कहा कि विपक्ष केवल राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। इस प्रकार की हल्के स्तर की राजनीति करना उचित नहीं है। विपक्ष अच्छी तरह जानता है कि वर्तमान में गल्फ देशों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और वहां युद्ध जैसे हालात हैं। उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशहित में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। हार्मुज मार्ग से आज भी भारतीय पोत सुरक्षित आ-जा रहे हैं और आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार लगातार सक्रिय है। विपक्ष को बेवजह भ्रम फैलाने के बजाय सरकार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष गैस और पेट्रोल को लेकर अनावश्यक भ्रम फैलाकर केवल नाटकबाजी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने केवल मितव्ययिता अपनाने और अनावश्यक खर्च से बचने की सलाह दी है। परिवार का मुखिया भी यही कहता है कि आवश्यक कार्य करें और अनावश्यक खर्च कम करें। वाहन शेयर करने जैसी अपील समाजहित और राष्ट्रहित में है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

इससे पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विशेष परिस्थिति में होने के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता रेना द्वारा पक्षियों के लिए परिंडा लगाने के जज्बे की सराहना की। राठौड़ ने प्रदेशवासियों से आ''ान किया कि भीषण गर्मी को देखते हुए हमें पशु–पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। हर व्यक्ति को परिंडा लगाने के साथ ही उसमें पानी की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

नून्द में जीव संरक्षण की अनूठी पहल

मातेश्वरी सेवा संस्थान ने शुरू किया दाना-पानी अभियान

चमकता राजस्थान

मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। नून्द। भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को नून्द गांव में मातेश्वरी सेवा संस्थान की टीम डेगाना की ओर से दाना-पानी अभियान चलाया गया। अभियान के तहत श्री हलधरजी महाराज गौशाला, नाड़ी, यूएस फार्म हाउस एवं मंदिर परिसर में मिट्टी के परिंडे और दाना पात्र लगाए गए। साथ ही ग्रामीणों को नियमित रूप से इनमें पानी और दाना भरने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण और जीव सेवा का संदेश देते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी में पक्षियों को पानी और भोजन

के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपने घर, दुकान और प्रतिष्ठान के बाहर परिंडे व दाना पात्र लगाकर पक्षियों के लिए राहत की व्यवस्था करनी चाहिए।

अभियान के दौरान चाइनीज मांझे के दुष्प्रभावों को लेकर भी जागरूकता संदेश दिया गया। युवाओं ने बताया कि चाइनीज मांझा पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है, जिससे अनेक पक्षी घायल हो रहे हैं। लोगों से अपील की गई कि जहां भी चाइनीज मांझा दिखाई दे, उसे सुरक्षित तरीके से हटाकर नष्ट करें ताकि पक्षियों की जान बचाई जा सके।

कार्यक्रम में मौजूद युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि पूरे गर्मी सीजन में गांव और आसपास के क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर परिंडे लगाकर नियमित रूप से पानी भरने का कार्य जारी रखा जाएगा। अभियान के दौरान सेवा भावना, सामाजिक एकता और जीव संरक्षण का संदेश भी देखने को मिला।

इस अवसर पर सज्जन सिंह राठौड़, महावीर सिंह राठौड़, मुकेश सिंह राठौड़, रघुवीर सिंह राठौड़, भगवान सिंह राठौड़, महिपाल सिंह राठौड़, भवानी सिंह राठौड़, डॉ. अशोक कड़वा, सरदार सिंह राठौड़, मंगलाराम भांबू, परसा राम नेहरा, गौशाला अध्यक्ष पप्पू सिंह राठौड़, कैलाश भांबू, युवा नेता हंसराज नेहरा, पांचा राम बाबल, हनुमान राम नेहरा, मानवेंद्र सिंह पवार, रामकुमार नेहरा, करणाराम कड़वा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीन का दलाल प्लेसमेंट फार्मासिस्ट बना चाइल्ड स्पेशलिस्ट

मेडिकल कॉलेज से डीन के नीजी अस्पताल में भेजा जाते मरीज

तथाकथित झोला छाप डॉक्टर बना फिरता है डीन डीन की पूरी सहमती।

चमकता राजस्थान

अभिषेक सिंह झाला/झालावाड़। झालावाड़ जिले में वैसे तो अंधेर नगरी चौपट राजा जैसी स्थिति है। लेकिन जब मामला लोगो की सेहत से खिलवाड़ का हो और खिलवाड़ करने जिले के मेडिकल कॉलेज के मुख्य अधिकारी डीन का दलाल हो मामला गंभीर अनियमिताएं का है, जिसकी निष्पक्ष रूप से जांच होना समय की मांग है।

ऐसा ही एक मामला सामने आया है सुत्र बताते हैं सचिन शर्मा उर्फ श्याम सुंदर शर्मा मेडिकल कॉलेज में एक प्लेसमेंट कम्पनी के जरिए फार्मासिस्ट है। लेकिन इस पर डीन साहब का भरपूर आशीर्वाद है। डीन की नजदीकियों का लाभ उठा कर मेडीकल कॉलेज में कर्मचारियों पर दादी गिरी करना रोब जमाना आम बात है। दो दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर पुष्टि की है। जो किसी भी जांच में जांच अधिकारी के सामने गुप्त रूप से बयान देने को तैयार है।

मामला यहीं समाप्त नहीं होता बल्कि चोकाने वाली बात यह है कि यह तथा कथित झोला छाप डॉक्टर मेडिकल कॉलेज में मेडिकल स्टोर में कार्य करने के स्थान पर झालरापाटन में चन्द्र भागा नदी के बाहर मुख्य रोड पर बच्चों का दवा खाना खोल रखा है। जानकार सुत्र बताते हैं कि इसने इलाज के दौरान दो बच्चों की जान भी ले चूका है।

जानकार सुत्र बताते हैं इस प्लेसमेंट कर्मचारी सचिन शर्मा की पत्नी मेडिकल कालेज में डीन के नियम विरुद्ध चल रहें नीजी अस्पताल में लैब संभालती है। कारोबार की बात करें तो सुत्र बताते हैं इनका मुख्य कार्य है मेडिकल कॉलेज में आए मरीजों को भ्रमित कर डीन के नीजी अस्पताल में भेजना है। साथ में यह भी जानकारी में आया है, डीन संजय पोरवाल के आशीर्वाद से रोजाना नियमित कर्मचारियों को डरा धमकाकर कर पैसे वसुलना है।

राजस्थान स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर की विशेष टिम सम्पूर्ण मामले की जांच करें तो डीन का बहुत बड़ा रैकेट सामने आ सकता है।

स्थानांतरण पर भावुक विदाईः बाड़ी के एसडीएम भगवत शरण त्यागी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर, करीब 15 माह तक बाड़ी उपखंड क्षेत्र के प्रशासनिक मुखिया के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले भगवत शरण त्यागी के स्थानांतरण पर शनिवार को भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया। धौलपुर-बाड़ी राजमार्ग स्थित सरमथुरा स्टोन इंडस्ट्रीज प्रतिष्ठान पर आयोजित कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी मुन्नालाल मंगल ने की। समारोह में ब्राह्मण समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. अम्बरीष पचौरी, अग्रवाल सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश सिंघल, बाड़ी अध्यक्ष दिनेश चंद्र बागठरिया, अग्रवाल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सचिन मंगल, प्रवीण मंगल एवं राजेंद्र मीणा सहित अनेक लोगों ने एसडीएम त्यागी का माल्यार्पण कर, साफा एवं शॉल ओढ़ाकर जोरदार स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगवत शरण त्यागी ने अपने कार्यकाल में प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं जनहित की भावना के साथ संपादित किया। उन्होंने आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर उनके समाधान के लिए हमेशा तत्परता दिखाई। उनके सरल, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व ने आमजन के बीच विशेष पहचान बनाई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं एसडीएम त्यागी ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाड़ी क्षेत्र से उन्हें हमेशा आत्मीय सहयोग एवं स्नेह मिला, जिसे वह सदैव याद रखेंगे।

जिले में गैस,पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं, कांग्रेस कर रही है गुमराहः रेला

चमकता राजस्थान/दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास)। भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला ने कहा दौसा जिले में गैस, पेट्रोल एवं डीजल का कोई संकट नहीं है कांग्रेस केवल राजनीति करने की कोशिश कर रही है। इस प्रकार की हल्के स्तर की राजनीति करना उचित नहीं है।कांग्रेस अच्छी तरह जानती है कि वर्तमान में गल्फ देशों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और वहां युद्ध जैसे हालात हैं। उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार देशहित में प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। हार्मुज मार्ग से आज भी भारतीय पोत सुरक्षित आ-जा रहे हैं और आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार लगातार सक्रिय है।कांग्रेस को बेवजह भ्रम फैलाने एवं आम जनता को डराने के बजाय सरकार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए।

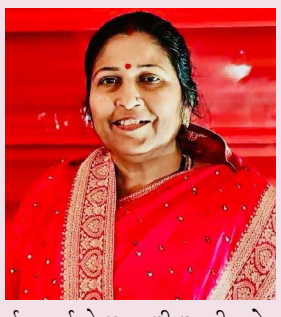

लक्ष्मी रैला ने कहा कि कांग्रेस गैस,पेट्रोल एवं डीजल को लेकर अनावश्यक लॉक डाउन भ्रम का फैलाकर केवल नाटकबाजी कर रही है। प्रधानमंत्री ने केवल मितव्ययिता अपनाने और अनावश्यक खर्च से बचने की सलाह दी है। परिवार का मुखिया भी यही कहता है कि आवश्यक कार्य करें और अनावश्यक खर्च कम करें। वाहन शेयर करने जैसी अपील समाजहित और राष्ट्रहित में है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने कहा इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है,भाजपा कायकर्ताओं को पशुओंझपक्षियों के लिए दानाझपानी एवं परिंडा लगाने के लिए व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। हर व्यक्ति को परिंडा लगाने के साथ ही उसमें पानी की व्यवस्था भी जरूर करनी चाहिये।

मीडिया संवाद बैठक आयोजित, समाचार एवं सोशल मीडिया गतिविधियों पर हुई विस्तृत चर्चा

चमकता राजस्थान/ब्यावर। जिला स्तर पर आयोजित मीडिया संवाद बैठक में विभिन्न समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों, अधिकृत पत्रकारों, पब्लिकेशन प्रतिनिधियों तथा सोशल मीडिया हैंडल संचालकों ने भाग लेकर मीडिया गतिविधियों एवं जनसंपर्क से जुड़े विभिन्न विषयों पर आज जिला कलेक्टर सभागार में विचार-विमर्श किया।सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि बैठक में समाचार पत्रों के नियमित प्रकाशन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों के प्रसारण, अधिस्वीकृत पत्रकार तथा विभिन्न पब्लिकेशन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर संचालित समाचार एवं जनसंपर्क गतिविधियों की प्रभावशीलता पर भी चर्चा की गई।इस अवसर पर सोशल मीडिया हैंडल्स एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका, जनसंचार में उनकी भागीदारी तथा जनहितकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में उनके सहयोग को लेकर विस्तृत संवाद हुआ। बैठक में सूचना प्रसारण को अधिक त्वरित, प्रभावी एवं विश्वसनीय बनाने के उपायों पर भी सुझाव साझा किए गए।बैठक का मुख्य उद्देश्य मीडिया एवं जनसंपर्क तंत्र को अधिक समन्वित, सक्रिय एवं जनोन्मुख बनाना रहा, ताकि शासन की योजनाओं एवं महत्वपूर्ण सूचनाओं का प्रभावी संप्रेषण आमजन तक समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

जल संकट और अधूरे निर्माण को लेकर ग्रामीणों में रोष, उग्र आंदोलन की चेतावनी

चमकता राजस्थान

गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। राजस्थान सरकार भले ही हर गांव और ढाणी तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत है। कागजों में सिमटी विकास योजनाओं के बीच आज भी जिले के कई गांवों में लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। ऐसा ही एक गंभीर मामला ग्राम पंचायत रणजीतपुरा के चक 9 आरपी से सामने आया है, जहां ग्रामीण और महिलाएं आज

भी दूर-दूर से मटकों और ट्रैक्टर-टैंकरों के जरिए पीने का पानी लाने को मजबूर हैं।

» कोर्ट से स्टे खारिज, फिर भी काम बंद

चक 9 आरपी के किसानों ने सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता को एक पत्र सौंपकर जर्जर हो चुके खाले के पुनर्निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, साल 2017 में इस खाले के निर्माण की मंजूरी मिली थी। मगर, एक काश्तकार द्वारा कोर्ट से स्थगन आदेश (स्टे) लेने के कारण काम बीच में ही ठप हो गया था। इसके चलते कुल 8 मुरब्बा में से केवल 1 मुरब्बा तक ही निर्माण हो सका और शेष 7 मुरब्बों का काम अधूरा रह गया। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि माननीय हाईकोर्ट द्वारा उक्त स्टे को खारिज किया जा चुका है। इसके बावजूद सिंचाई विभाग द्वारा निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं कराया गया है। खाला निर्माण न होने से क्षेत्र की 7-8 ढाणियों में पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इसके साथ ही, किसानों को फसलों की सिंचाई करने में भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। ज्ञापन सौंपकर पीड़ित काश्तकारों और ग्रामीणों ने विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मंजूरशुदा खाले का निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं कराया गया, तो ढाणियों के निवासी और समस्त किसान प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन का बिगुल फूंकने को मजबूर होंगे।

इस अवसर पर लक्ष्मण, पप्पूराम, बनवारी लाल, ओमप्रकाश, रामलाल बेनीवाल, ओमप्रकाश सर्वा, काशीराम वर्मा, राकेश वर्मा, रजीराम गंगाजल आदि मौजूद रहे।

दलित मां-बेटी पर जानलेवा हमला: दलित अधिकार केन्द्र की जांच में पुलिस लापरवाही उजागर

चमकता राजस्थान

अलवर(नरेन्द्र तिलकपुर)। दलित अधिकार केन्द्र के जिला समन्वयक शैलेष गौतम के नेतृत्व में गठित चार सदस्यीय जांच दल ने वैशाली नगर थाना क्षेत्र में एक दलित परिवार के घर में घुसकर नाबालिग बच्ची और उसकी मां पर हुए बर्बर जानलेवा हमले के मामले की मौके पर जाकर पड़ताल की। जांच दल ने पीड़ितों और चश्मदीद गवाहों के विस्तृत बयान दर्ज कर महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संकलन किया है। जांच दल की रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 14.05.2026 को सुबह करीब

10:00 बजे पीड़िता मंजू अपने बेटे का लूटे गए मोबाइल फोन को वापस लेने आरोपी सीमा के पास गई थी, जिसे आरोपी ने तीन दिन पूर्व जबरन छीनकर 1500 रुपए की अवैध मांग की थी। वहां आरोपी सीमा ने पीड़िता पर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया, जिसने स्वयं आरोपी को ही काट लिया और मोबाइल देने से मना कर दिया। इसी रंजिश में उसी दिन दोपहर करीब 12:00 बजे, जब पीड़िता मंजू और उसकी नाबालिग बेटी घर के कमरे में लेटी हुई थीं, तब आरोपी सीमा, सतपाल, राजू पंजाबी और उनके चार अन्य साथी धारदार व जानलेवा हथियारों (चाकू, गुरमाला, हॉकी, डंडे आदि) से लैस होकर अचानक घर में घुस आए और मां-बेटी पर बेरहमी से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में नाबालिग बच्ची और उसकी मां के दोनों हाथ, चेहरा, गला, गर्दन और पीठ गंभीर रूप से कट गए और वे लहूलुहान हो गईं। आरोपियों ने दोनों के कपड़े फाड़कर अश्लील हरकतें कीं और उन्हें अपमानजनक अश्लील एवं जातिसूचक गालियां दीं, जिसके बाद दोनों को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जांच दल के समक्ष यह तथ्य भी आया कि घटना के तुरंत बाद लिखित शिकायत देने के बावजूद थाना वैशाली नगर (अलवर) पुलिस ने अपराधियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की नीयत से अत्यधिक विलंब से प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की और अनुसंधान में जानबूझकर घोर लापरवाही बरती जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

जिला कांग्रेस कमेटी में जिला प्रवक्ता नियुक्त होने पर सम्मान समारोह आयोजित

चमकता राजस्थान/अनिल सैन/ फलोदी। जिला कांग्रेस कमेटी में जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी मिलने पर बार एसोसिएशन फलोदी के अध्यक्ष अधिवक्ता भवानी शंकर जी के नेतृत्व में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नव नियुक्त जिला प्रवक्ता का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया तथा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारी के साथ संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की विचारधारा आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। सम्मान समारोह के दौरान सभी ने नव नियुक्त जिला प्रवक्ता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मेघलासियां मे श्री मद भागवत कथा व नानी बाई का मायरा का समापन

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी/ चीफ ब्यूरो जोधपुर। कथा श्रवण मात्र से ही मनुष्य के जन्म जन्मातर के दोष ओर पाप नष्ट हो जाते है संत सीताराम महाराज जोधपुर के निकट स्थित मेघलासियां गाव मे सप्त दिवसीय श्रीमद भागवत कथा एवं नानी बाई का मायरा हर्सोल्लास के साथ सम्पन हुआ ओमप्रकाश राजपुरोहित मेघलासियां ने बताया कि ठाकुर जी मन्दिर के चोक मे खेडापा के संत सीताराम महाराज के मुखाबिन्द से मा सुरक्षा सेवा संस्थान जोधपुर एव समस्त ग्रामवासी मेघलासियां के तत्वावधान मे आयोजित सुबह के समय मे भागवत कथा एवं रात्रि के समय मे नानी बाई का मायरा का वाचन किया गया कथा का मुख्य उद्देशय दीन, दुखी गरीब ,विकलांग एव अनाथ बच्चों की सहायतार्थ मा सुरक्षा सेवा संस्थान जोधपुर को आर्थिक सहयोग करना था जिसमे गाव के भामाशाहो ने दिल खोल दान किया साथ ही गाव की बहिन बेटियो ने भी सहयोग प्रदान किया गाव का माहोल पुरा भक्तिमय हो गया । सन्त सीताराम महाराज ने बताया कि कथा का श्रवण पान करने से मनुष्य के जन्म जन्मातर के दोष ओर पाप नष्ट हो जाते है संस्थान के हुकमाराम एव राधेशयाम ने बताया कि नानी बाई का मायरा का लाभ बाबुसिह, शंकरसिह पुत्र सुजान सिंह राजपुरोहित परिवार को मिला जिन्होने जेसे अपनी बहिन बेटी का मायरा भरते है वैसे ही मायरा भरा एव 11 थाल एव कपडे ओढ़ावनी ओर एक लाख इकोतर हजार रुपये रोकड़ दिया जिसकी समस्त ग्रामवासियो ने प्रशंसा की । एव कथा की पुर्णा आहुति की बोली अर्जुनसिंह पुत्र खेतसिह परिवार ने इस लाभ को लिया साथ ही सात दिनो मै गाव के अलग परिवारो ने शीतल पेय, आइस क्रीम, फलाहार एव नाश्ता की सेवा की । कथा मै आपस पास के कई गावों के लोगो ने भाग लिया समस्त ग्रामवासियो ने संस्थान के सभी सदस्यों कि स्वागत किया।

फलोदी का जवान अंडमान-निकोबार में शहीद : बेटे ने किया आखरी नमन, सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

चमकता राजस्थान/जाम्बा(फलोदी) सियाराम विश्नोई/ कौशलनगर निवासी भारतीय वायु सेना के जवान महेश विश्नोई का मंगलवार सेन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया` महेश विश्नोई 17 मई को अंडमान निकोबार में शहीद हो गये थे। शहीद महेश विश्नोई (30) पुत्र मालाराम विश्नोई पिछले चार महिनों से अंडमान निकोबार में तैनात थे उन्होने 11 साल पहले भारतीय वायु सेना ज्वॉईन की थी` वर्तमान में वे कोर्पोरल के पद पर सेवा दे रहे थे ड्यूटी के दौरान वे एक हादसे में शहीद हो गये थे। महेश विश्नोई का पार्थिव देह मंगलवार दोपहर 12 बजे बायु सेना के विमान से कुण्डल एयर बेस पहुंची। इस दौरान बडी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार, प्रशासनिक अधिकारी, वायु सेना के अधिकारी मौजुद थे। एयर बेस से वायु सेना के वाहन से पार्थिव देह को फलोदी होते हुऐ पैतृक गांव कौशलनगर लाया गया। शहीद महेश विश्नोई की साथ साल पूर्व सुमता के साथ हुई उनके एक तीन साल का बेटा है परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई अमित और एक विवाहित बडी बहन हैं इनके ताऊ का लडका भारतीय वायु सेना में सेवाऐं दे रहा हैं। अंतिम संस्कार स्थल पर भारतीय वायु सेना के जवानों, विधायक पब्बाराम विश्नोई, जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अध्यध सतविंद सिंह, जाम्बा महन्त भगवानदास सहित अन्य जनों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रध्दांजलि दी` इसके बाद सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

न्यायिक अधिकारियों के तबादलों में बीकानेर के बुलाकी दास व्यास को जैसलमेर लगाया

चमकता राजस्थान/बीकानेर। राज्य सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देशय से विभिन्न न्यायिक अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए अलग-अलग जिलों में पदस्थापित किया गया है। न्याय विभाग द्वारा किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल को न्यायिक कार्यों में तेजी और बेहतर संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार सभी अधिकारियों को शीघ्र अपने नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तब ादलों में बीकानेर के बुलाकी दास व्यास अब जैसलमेर में जिम्मेदारी स-ंभालेंगे।

वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों और बजट घोषणाओं पर मंथन, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की समीक्षा

चमकता राजस्थान

जयपुर। सचिवालय स्थित कार्यालय में आज वित्त विभाग के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने की। उन्होंने विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विकास योजनाओं के प्रभावी

क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि फाइनेंस विभाग की रिव्यू मीटिंग में विभागीय कार्यों के साथ-साथ बजट घोषणाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में आगामी योजनाओं और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि प्रदेश के विकास कार्यों को गति मिल सके।

ग्रीष्मकाल में पक्षियों के लिए परिंडे लगाना पुण्य कार्य, भारत विकास परिषद की पहल सराहनीय

चमकता राजस्थान/ धौलपुर रामदास तरुण। भारत विकास परिषद शाखा धौलपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अटल सेवा केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग में पक्षियों के लिए पानी पीने हेतु परिंडे लगाए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए परिषद की इस पहल की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संयुक्त निदेशक बलभद्र सिंह ने कहा कि ग्रीष्मकाल में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने परिषद के इस सामाजिक सरोकार से जुड़े अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज को पर्यावरण एवं जीव संरक्षण के प्रति जागरूक करते हैं। महिला गतिविधि समन्वयक ममता शर्मा ने बताया कि भारत विकास परिषद महिला प्रकोष्ठ द्वारा जून माह के प्रथम सप्ताह में स्कूली बच्चों के लिए पांच दिवसीय स्किल डेवलपमेंट शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में ब्यूटिशियन, डांस, मेहंदी, हारमोनियम, कंप्यूटर कोर्स एवं सिलाई सहित विभिन्न प्रशिक्षण दिए जाएंगे, जिससे बच्चे ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग कर सकें और नई कौशल सीख सकें। इस अवसर पर जया मोदी, राजकुमारी गुप्ता, सपना बंसल, सीमा बंसल, रीता अग्रवाल, अनुपमा दीक्षित, अपूर्वा, प्रिया एवं रेखा सहित अन्य महिलाओं ने पक्षियों के लिए परिंडे लगाए। वहीं उद्दक्ळ&उ विभाग के विकास शर्मा, प्रहलाद अग्रवाल, हरेंद्र सिंह, अमित मित्तल, शिव कुमार शर्मा, अखिल श्रीवास्तव, मुनेश कुमार मीना, सुनील, देवेंद्र एवं समस्त स्टाफ ने जल पात्रों में नियमित रूप से पानी भरने का आश्वासन दिया। परिषद के जिला समन्वयक जयंत मोदी एवं अध्यक्ष मुकेश गर्ग ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया।

ईंधन बचाने की अपील और प्रचार रथों का खर्च, उठने लगे सवाल

जयपुर। राजस्थान सहित पूरे देश में एक ओर केंद्र सरकार जनता से ईंधन बचाने, अनावश्यक वाहन उपयोग कम करने और संसाधनों के संरक्षण की अपील कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जा रहे ''ग्राम रथ अभियान'' को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रही प्रचार वेनों को लेकर लोगों का कहना है कि जब देश आर्थिक और ईंधन संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब क्या बड़े स्तर पर प्रचार वाहनों का संचालन जरूरी है? लोगों का तर्क है कि इन वेनों में भी डीज़ल और पेट्रोल का उपयोग हो रहा है, जिससे सरकारी खर्च और ईंधन खपत दोनों बढ़ रही हैं। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि सरकार वास्तव में ईंधन बचाने का संदेश देना चाहती है, तो सबसे पहले सरकारी स्तर पर ऐसे अभियानों में कटौती करनी चाहिए। उनका कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में प्राथमिकता संकट से निपटने को दी जानी चाहिए, न कि प्रचार-प्रसार पर करोड़ों रुपये खर्च करने को।

कई लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि आज डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया के दौर में प्रचार के लिए भारी संख्या में वाहनों का उपयोग कितना उचित है। उनका मानना है कि इससे पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हालांकि सरकारी पक्ष का कहना है कि ग्राम रथ अभियान का उद्देश्य आमजन तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें।

लेकिन जनता के बीच अब यह बहस तेज हो गई है कि मौजूदा समय में ज्यादा जरूरी क्या है – ईंधन और संसाधनों की बचत या फिर सरकारी प्रचार अभियान।

जारोड़ा में स्व गणना अभियान तेज,

- प्रगणकों की टीम घर-घर पहुंचकर जुटा रही जानकारी।

चमकता राजस्थान/मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। ग्राम जारोड़ा में चल रहे स्व गणना अभियान के तहत प्रगणकों की टीम लगातार घर-घर पहुंचकर सर्वे कार्य में जुटी हुई है। अभियान के दौरान क्षेत्र के प्रत्येक मकान की गणना कर आवश्यक जानकारियां एकत्रित की जा रही हैं। प्रगणक गांव की गलियों और मोहल्लों में घूम-घूमकर परिवारों से संपर्क कर निर्धारित प्रपत्रों में सूचनाएं दर्ज कर रहे हैं।

सर्वे के दौरान परिवार के मुखिया का नाम, परिवार के सदस्यों की संख्या, मकान संख्या तथा अन्य आवश्यक बुनियादी जानकारियां दर्ज की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की सही एवं अद्यतन जानकारी तैयार करना है, ताकि भविष्य की योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों में सुविधा मिल सके। प्रगणकों द्वारा केवल आंकड़े ही नहीं जुटाए जा रहे, बल्कि क्षेत्र का एक विस्तृत ''नजरी नक्शा'' भी तैयार किया जा रहा है। इस नक्शे में गांव के प्रमुख स्थलों जैसे तालाब, मंदिर, मस्जिद, सार्वजनिक भवन, मुख्य मार्ग तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक संरचना का सही दस्तावेज तैयार हो सके। अभियान के दौरान ग्रामीणों से भी सहयोग की अपील की जा रही है, ताकि सही जानकारी उपलब्ध हो सके और सर्वे कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके। इस कार्य में प्रगणक जीवणराम जाजड़ा, ओपेंद्र सिंह, राजेन्द्र खुड़खुड़िया एवं ओमप्रकाश गौड़ सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं और सर्वे कार्य को पूर्ण करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। ग्रामीणों ने भी अभियान को उपयोगी बताते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया है।

स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज ने दक्षिण एशिया की पहली उन्नत प्रोटिओमिक्स सेवा शुरू की

चमकता राजस्थान/बेंगलुरु। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहयोगी कंपनी स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज ने अत्याधुनिक ''ओलिंक एक्सप्लोर एचटी'' आधारित प्रोटिओमिक्स सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह पहल भारत और दक्षिण एशिया में बड़े स्तर पर बहु-आयामी जैविक अनुसंधान को नई दिशा देगी। प्रोटिओमिक्स के माध्यम से शरीर में मौजूद हजारों प्रोटीन का अध्ययन किया जाता है, जिससे बीमारियों की पहचान, उपचार चयन और नई दवाओं के विकास में सहायता मिलती है। यह तकनीक बेहद कम रक्त नमूने से 5,400 से अधिक प्रोटीन संकेतकों का विश्लेषण करने में सक्षम है। स्ट्रैंड ने हाल ही में दीर्घकालिक गुर्दा रोग से जुड़े एक जैव-औषधि अनुसंधान प्रकल्प को सफलतापूर्वक पूरा किया है। कंपनी अब जीन आधारित अनुसंधान, जैव-सूचना विज्ञान और चिकित्सकीय आंकड़ों को एकीकृत कर संपूर्ण बहु-आयामी अनुसंधान समाधान उपलब्ध कराएगी। स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रमेश हरिहरन ने कहा कि यह तकनीक भारत में अनुसंधान, औषधि विकास और सटीक चिकित्सा को नई गति प्रदान करेगी।

कुण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कालोता की बैरवा ढाणी में राजस्व विभाग प्रशासन की कार्रवाई कर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के कुण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कालोता की बैरवा ढाणी में मंगलवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाकर रास्ता चालू करवाया गया। कालोता प्रशासक विनोद कुमार बैरवा ने बताया कि सार्वजनिक रास्ते एवं सरकारी भूमि पर किए गए लगभग डेढ़ किलोमीटर अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए राजस्व विभाग,पीडब्ल्यूडी एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त

टीम मौके पर पहुंची।

प्रशासक विनोद कुमार बैरवा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से रास्ते में बने अवैध रूप से कब्जा किया हुए बंद रास्ते पर अतिक्रमण को हटाया गया और रास्ता चालू करवाया गया। लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा रास्ता अवरुद्ध होने की शिकायत की जा रही थी, जिसके चलते लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासन की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत महसूस की और अधिकारियों का आभार जताया।

तहसीलदार हरिकेश मिरोठा ने बताया कि सरकारी भूमि एवं सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन द्वा-रा समय-समय पर अभियान चलाकर इस प्रकार की कार्यवाही की जाएगी ।

कार्रवाई के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अरक समय सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कोलवा थाना पुलिस जाब्ता मौके पर मौजूद रहा। मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लोग भी मौके पर मौजूद रहे।

राजस्व विभाग प्रशासन की कार्रवाई के दौरान मौके पर कुण्डल तहसीलदार हरिकेश मिरोठा ,अमृतलाल देवपाल अधीक्षण अभियंता, पीडब्ल्यूडी दौसा,अरमान खान अएठ, पीडब्ल्यूडी सैंथल,गिरदावर राकेश कुमार मीणा,ममता शर्मा कालोता पटवारी,जितेन्द्र दंतोनिया कुण्डल पटवारी,जगदीश जाट बडोली पटवारी,अरकसमय सिंह गुर्जर, समुद्र सिंह, अरकफूलसिंह बांदीकुई थाना मौके पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवा समाजसेवी रामअवतार पाराशर बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा कर मानवता की मिसाल पेश करते आ रहे हैं

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा। दौसा। जिले के कुण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र के ग्राम पंचायत बडोली निवासी युवा समाजसेवी रामअवतार पाराशर इन दिनों भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा कर मानवता की मिसाल पेश करते आ रहे हैं। जहां एक और तेज गर्मी के कारण लोगों को भी पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ सौरभ शंभू पाराशर बेसहारा,बेजुबान जीवों के लिए भोजन और पानी की नियमित व्यवस्था कर समाज के लोगों को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। सौरभ शंभू पाराशर द्वारा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में गाय,कुत्ते,बंदर,पक्षियों एवं अन्य बेजुबान जीवों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी उपलब्ध कराया है, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। वहीं बेसहारा पशुओं के लिए चारा एवं भोजन की भी नियमित व्यवस्था की जा रही है।

गर्मी के इस कठिन दौर में उनके द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की ग्रामीणों लोगों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि आज के समय में जहां लोग अपने कामों में व्यस्त रहते हैं, वहीं सौरभ शंभू पाराशर निस्वार्थ भाव से जीव जंतुओं की सेवा में जुटे हुए हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। रोजाना सुबह 7 बजे से निरंतर सेवा करने में लग जाते हैं।

जिले की दो तहसीलों में संपन्न हुआ आध्यात्मिक सत्संग संत रामपाल जी महाराज का सत्संग

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। झालावाड़ जिले की दो अलग अलग तहसीलों में जगतगुरू तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज जी का विशाल सत्संग समागम का आयोजन हुआ बकानी तहसील के गांव गुराडखेड़ा और डग तहसील के गांव गोविंदपूरा में एक अनोखा सत्संग जो पवित्र धर्मों के पवित्र शास्त्रों से रूबरू करवाता है जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज का एक दिवसीय विशाल सत्संग समागम जिला झालावाड़ राजस्थान में रविवार को संपन्न हुआ इस विशाल सत्संग की दोनों गांवों में लोग प्रशंसा करते नजर आए सत्संग में इस भिष्ण गर्मी में शांतिपूर्ण बैठकर सत्संग सुनते श्रद्धालु नजर आए।

सत्संग में भाईचारे का संदेश दिया सतभक्ति के बारे में बताया भक्ति करने वाला प्राणी सर्व सुख घर बैठकर प्राप्त करना बताया सत भक्ति साधना से असाध्य से असाध्य रोग भी सतभक्ति साधना से ठीक होना बताया शास्त्र अनुसार भक्ति करने वाला प्राणी यहां भी सुखी और परलोक यानी सतलोक में भी सुखी रहता है उस जीवात्मा का सत भक्ति करने से मोक्ष प्राप्त हो जाता है और सदा के लिए सतलोक में निवास करता है।

वह सतलोक जो इस पृथ्वी मंडल से 16 शंख कोष की दूरी पर बताया गया है। सत्संग में पूर्ण परमात्मा की जानकारी देते हुए बताया कि वह परमात्मा मोक्ष का दाता है जो सतलोक में निवास करता है पवित्र श्रीमद् गीता जी के अनुसार वह परमात्मा तीनों लोकों में प्रवेश करके सबका धारण पोषण करता है।

संत रामपाल जी महाराज ने सत्संग में बताया तीनों देव कमल दल बसे, ब्रह्मा विष्णु महेश। प्रथम इनकी वंदना, फिर सुन सतगुरु उपदेश।।

भीषण गर्मी में जलसंकट: नगर निगम जलकल विभाग पर भड़के पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा, आंदोलन की दी चेतावनी

चमकता राजस्थान/अब्दुल खालिद/सहारनपुर। आसमान से बरसती आग और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बीच सहारनपुर महानगर के दर्जनों वार्डों में पेयजल संकट पूरी तरह गहरा चुका है, जिससे त्रस्त जनता की आवाज बनकर मंगलवार को वरिष्ठ सपा नेता व पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा का गुस्सा नगर निगम की जनसुनवाई में फूट पड़ा। उन्होंने जलकल विभाग के अधिकारियों और महाप्रबंधक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के इस दौर में जब जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है, तब जिम्मेदार अधिकारी वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर केवल कागजी घोड़े दौड़ा रहे हैं। पार्षदों का दावा है कि शहर में जलापूर्ति सुचारू करने के लिए लगाए गए 6 नए नलकूप आज भी प्रशासनिक उदासीनता के कारण सफेद हाथी साबित हो रहे हैं और इन्हें चालू नहीं किया गया है, वहीं दूसरी ओर पूर्व में बिछाई गई पाइपलाइनों का इंटर-कनेक्शन (आपसी जुड़ाव) ठीक न होने से पानी का प्रेशर अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसका खामियाजा आम जनता, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भीषण धूप में दूर-दराज से पानी ढोकर भुगतना पड़ रहा है। लगातार पत्रों के माध्यम से आगाह किए जाने के बावजूद अधिकारियों द्वारा बरती जा रही इस घोर लापरवाही के खिलाफ पार्षद डॉ. एहतेशाम, अहमद मलिक, नदीम अंसारी, नितिन जाटव, फराज अंसारी, फहाद सलीम और डॉ. मोहतसीम सहित भारी संख्या में पार्षदों ने एकजुट होकर हुंकार भरी है; उन्होंने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि अविलंब पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया, तो वे जनता को सड़कों पर उतारकर जलकल विभाग के खिलाफ एक बड़ा और उग्र आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

सत्ताधारी शिवसेना-भाजपा के विवाद के खिलाफ कांग्रेस का ठाणे महापालिका के सामने प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। शहर कांग्रेस की ओर से आज ठाणे महापालिका मुख्यालय के सामने सत्ताधारी शिवसेना (शिंदे गुट) और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। यह आंदोलन शहर अध्यक्ष एड. विक्रांत चव्हाण के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ठाणे महापालिका की हर आमसभा में शिवसेना और भाजपा के बीच लगातार विवाद हो रहे हैं, जिसके कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पिछले सप्ताह हुई महासभा में सत्ताधारी दलों के बीच हुए हंगामे के चलते सभा जल्द ही समाप्त करनी पड़ी थी। इस दौरान विक्रांत चव्हाण ने आरोप लगाया कि तीन साल बाद सभागृह अस्तित्व में आने के बावजूद जनता के मुद्दों पर गंभीर चर्चा करने के बजाय सत्ताधारी दल केवल प्रस्ताव मंजूर करने का दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पांच मिनट में विषय मंजूर किए जा रहे हैं। नए नगरसेवकों को अपने प्रभाग के मुद्दे उठाने का अवसर नहीं दिया जा रहा।''

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि स्थायी समिति, विशेष समितियां और प्रभाग समितियां अब तक गठित नहीं की गई हैं, जिसके कारण महापालिका का कामकाज अव्यवस्थित तरीके से चल रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विकास कार्यों में रुकावट आने से आम नागरिक परेशान हैं।

आंदोलन के दौरान ''हिंदी-चीनी भाई भाई, भाजपा-शिवसेना मिलके भाई'' जैसे नारे लगाए गए। इसके बाद विक्रांत चव्हाण के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने महापालिका आयुक्त और अतिरिक्त आयुक्त श्री रोडे को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि महासभा में जल्दबाजी में मंजूर किए गए प्रस्तावों की दोबारा गहन समीक्षा की जाए और उन्हें पुनर्विचार के लिए फिर से महासभा में लाया जाए अथवा राज्य सरकार के पास भेजा जाए।

इस आंदोलन में भालचंद्र महाडिक, निशिकांत कोळी, शैलेश घरत, उमेश कोचले, वैशाली भोसले, स्वप्निल कोळी सहित कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गैर सरकारी विद्यालयों ने फळए भुगतान सहित विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ कयूम खान, जालौर। स्कूल शिक्षा परिवार संगठन के नेतृत्व में जालौर जिले के गैर सरकारी विद्यालय संचालकों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर फळए पुनर्भरण राशि के लंबित भुगतान सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि फळए के तहत अध्ययनरत विद्यार्थियों की पुनर्भरण राशि लंबे समय से बकाया चल रही है, जिससे निजी विद्यालयों के संचालन में भारी आर्थिक परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं। संगठन ने वर्ष 2025-26 की दोनों किश्तों सहित पिछले सत्रों की लंबित राशि का शीघ्र भुगतान कराने की मांग उठाई।

इसके अलावा ज्ञापन में दोहरे नामांकन वाले विद्यार्थियों के सत्यापन के बावजूद भुगतान नहीं मिलने, आरटीई के तहत किताबों की राशि डीबीटी नहीं होने, मुख्यमंत्री बालक-बालिका निशुल्क शिक्षा योजना की बकाया राशि जारी करने तथा प्री-प्राइमरी कक्षाओं के भुगतान को लेकर भी नाराजगी जताई गई।

विद्यालय संचालकों ने जिले में बिना मान्यता संचालित शिक्षण संस्थानों की जांच करवाने, डमी एडमिशन पर रोक लगाने तथा टीसी जारी करने में अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे अनावश्यक दबाव के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी रखी। संगठन ने ''वन स्कूल-वन पोर्टल'' व्यवस्था लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इससे विद्यालयों को बार-बार अलग-अलग पोर्टलों पर जानकारी अपलोड करने की समस्या से राहत मिलेगी। ज्ञापन में राज्य सरकार से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई कर प्रदेशभर के गैर सरकारी विद्यालय संचालकों को राहत देने की मांग की गई।

जेल में महिला कैदी गर्भवती?

- बाबूलाल मरांडी ने सुपरिटेंडेंट पर लगाए आरोप, बोले- सच छिपाने....

रांची। नेता विपक्षा बाबूलाल मरांडी ने रांची की बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के जेल सुपरिटेंडेंट द्वारा एक महिला के यौन शोषण का दावा किया है। मरांडी ने बकायदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस संबंध में पत्र भी लिखा है। पत्र में उन्होंने दावा किया है कि महिला गर्भवती कर दिया गया और इस सच को छिपाने के लिए लगातार सबूत मिटाने की कोशिश हो रही है। मरांडी ने इस मामले में सीएम से सख्त एक्शन और हाई लेवल जांच की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने यह भी दावा किया है कि जेल महानिरीक्षक ने इस मामले को दबा दिया है, जिससे प्रशासन की प्रत्यक्ष मिलीभगत की ओर इशारा मिलता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस काले सच को छिपाने और जेल के छोटे कर्मचारियों और अन्य गवाहों का मुंह बंद रखने के लिए बड़े पैमाने पर रिश्वत और पैसा बांटा जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि बीमार होने और इलाज का झूठा बहाना बनाकर उस पीड़ित गर्भवती महिला कैदी को लगातार जेल से बाहर गुप्त जगहों और अस्पतालों में ले जाया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि अवैध मेडिकल प्रक्रियाओं के जरिए जैविक और फॉरेंसिक सबूतों को समय रहते पूरी तरह मिटाया जा सके। इस मामले पर बीजेपी लगातार हेमंत सोरेन सरकार पर हमलावर है। बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाह देव का कहना है कि, 'यह चौंकाने वाला है। जेल की चारदीवारी के भीतर चल रहे काले धंधे के खेल का भंडाफोड़ हो गया है। जब उस महिला की प्रेग्नेंसी रिपोर्ट पॉजिटिव आई, तो जेल के वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से इसे दबाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया गया। अब यह स्पष्ट हो गया है कि हेमंत सोरेन के शासनकाल में महिलाएं जेलों के अंदर भी सुरक्षित नहीं हैं। इस मामले की जांच हाईकोर्ट के मौजूदा जज से कराई जानी चाहिए क्योंकि हमें झारखंड पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है।'

जमीन-जायदाद पर वंशज का अधिकार बहाल

मेहरमा। ठाकुरगंगटी प्रखंड क्षेत्र के दिग्घी पंचायत सचिवालय में सोमवार को जमीन दखल-कब्जा विवाद को लेकर अंचल अधिकारी मदन महली के निर्देश पर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता मुखिया शीला देवी ने की। इस दौरान अंचल निरीक्षक कुंदन कुमार राय, राजस्व उप निरीक्षक संझला हांसदा तथा ग्राम मौजा प्रधान मनोज चंद्र मौजूद रहे। ग्राम पंचायत के सभी मौजे के 16 आना रैयत एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में मामले पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए बताया गया कि जमाबंदी रैयत स्वर्गीय मोहन मंडल के चार पुत्र दरबारी मंडल, अकलू मंडल, भद्दी मंडल और डोमी मंडल थे। वंशावली अभिलेख में किसी कारणवश डोमी मंडल का नाम अंकित नहीं हो पाया था।मुखिया शीला देवी ने कहा कि ग्रामीणों की सार्वजनिक पुष्टि के आधार पर अब डोमी मंडल का नाम वंशावली में दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डोमी मंडल के पुत्र स्वर्गीय अरविंद कुमार सिन्हा तथा उनके पुत्र अंपुश कुमार हैं। ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वंशज होने के आधार पर अंपुश कुमार जमीन-जायदाद के बंटवारे में बराबर के अधिकारी होंगे और उनका अधिकार सुरक्षित रहेगा। सभा में देवी रजक, रामप्रवेश यादव, रामबदन मंडल, सुलेखा देवी, दिनेश कुमार सिंह, नारद यादव, दुखी मंडल, चेतू मंडल, सिकंदर मंडल, संसारधर मोदी, सिकंदर रविदास, जगनारायण रजक, जमुना मंडल, मोहन पासवान, महेश मंडल, श्याम बिहारी सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान व मजदूर मौजूद थे।

आशा मासिक बैठक का आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोदन में आज आशा मासिक बैठक का आयोजन LHV संजू महरिया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

सेक्टर हेल्थ सुपरवाइजर गणपत नोसरा ने आशाओं को क्टरल्र आउटरीच ऐप के माध्यम से सर्वे कार्य करने की जानकारी दी। साथ ही ल्रढश वैक्सीन (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) के बारे में बताते हुए कहा कि यह वैक्सीन 14 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को लगाई जाती है, जो गर्भाशय कैंसर की रोकथाम में सहायक है।

बैठक में ठउऊ कार्यक्रम के तहत सी-बैक भरने एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं।

LHV संजू महरिया ने गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं देखभाल पर विशेष जानकारी दी। परिवार कल्याण विभाग से पुरुषोत्तम योगी ने परिवार कल्याण के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता रवीना बानू सहित सेक्टर गोदन की आशा सहयोगिनी मंजू देवी, जमीला बानू, जसोदा, सुमन, शारदा देवी, ममता मीणा सहित अन्य आशाएं उपस्थित रहीं।

खगड़िया में एनएच -31 पर भीषण सड़क हादसा: अनियंत्रित ट्रक ने 3 वाहनों को रौंदा, 6 की मौत और 8 घायल

खगड़िया। मानसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच-31 पर सोमवार दोपहर को ठाठा में एक लाइन होटल के समीप एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर ऑटोरिक्शा, उसके बाद पिकअप वैन और सफारी वाहन में टक्कर मार दी। इस घटना में ऑटोरिक्शा पर सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद खाली ट्रक को छोड़कर चालक भाग निकला। मृतकों में दो महिलाएं, दो बच्चे और दो पुरुष शामिल हैं। इनमें से देर शाम तक दो की पहचान हो पाई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटोरिक्शा खगड़िया से सवारी लेकर गोगरी को जा रही थी। उक्त स्थल पर एक अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इससे ऑटोरिक्शा के परखच्चे उड़ गए। कई लोग सड़क पर गिर गए। घटनास्थल पर ही दो महिला और एक बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद भागने के क्रम में ट्रक ने एक सफारी वाहन और एक पिकअप में भी टक्कर मारी।

सहारनपुर नगर निगम की अग्रिम कार्ययोजना की पार्षदों ने की सराहना, पार्षद मंसूर बदर ने मेयर और नगर आयुक्त का जताया आभार

चमकता राजस्थान

सहारनपुर। आगामी ईद-उल-अज़्हा के पर्व को देखते हुए नगर निगम सहारनपुर द्वारा त्योहार से 10 दिन पूर्व ही एक बेहद व्यापक और सुदृढ़ कार्ययोजना तैयार कर ली गई है, जिसकी सराहना करते हुए पार्षद डॉ. मंसूर बदर के नेतृत्व में पार्षद दल ने मेयर डॉ. अजय कुमार सिंह और नगर आयुक्त शिपू गिरि सहित पूरे निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। इस विशेष कार्ययोजना के तहत नगर क्षेत्र सहित निगम में शामिल 32 गाँवों में साफ-सफाई, कूड़ा व वेस्ट उठान के स्थानों को चिन्हित कर गाड़ियों व ड्राइवरों के मोबाइल नंबरों की सूची जारी कर दी गई है, साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम का गठन कर प्रत्येक थाने पर निगम की गाड़ी तैनात की गई है। पर्व के दौरान स्वच्छता और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में कुर्बानी के बाद नालियों में रक्त न दिखे, इसके लिए हरे रंग के चूने व कीटनाशकों के छिड़काव की व्यवस्था की गई है, और जलापूर्ति सुचारू रखने के लिए बिजली कटने की स्थिति में जिन ट्यूबवेलों पर जनरेटर नहीं थे, वहाँ पहले से ही जनरेटर आरक्षित करा दिए गए हैं; निगम की इस समयबद्ध और बेहतरीन तैयारी के लिए पार्षद समीर अंसारी, सईद सिद्दीकी, इज़हार मंसूरी, महमूद हसन, रईस पप्पू, आसिफ अंसारी, गुलज़ेब खान, जफर अंसारी, मेनपाल और एडवोकेट जावेद ने हेल्थ ऑफिसर डॉ. परवीन शाह, मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद, जेडएसओ राजीव चौधरी एवं गैराज विभाग का विशेष रूप से शुक्रिया अदा किया है।

विधायक ने रामदेव मंदिर परिसर में इंटरलाकिंग सड़क का लोकार्पण किया

कहा जनता जनार्दन का पैसा पूर्ण पारदर्शिता से जनहित में ही होगा खर्च

चमकता राजस्थान

गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। खानपुर सोमवार को ग्राम पंचायत बैसार में बाबा रामदेव जी मंदिर परिसर में विधायक कोष से स्वीकृत 3 लाख की राशि से निर्मित इंटरलाकिंग सड़क का मुख्य अतिथि विधायक सुरेश गुर्जर ने विधि विधान से फीता काटकर लोकार्पण से जनता को सौगाद दी।अध्यक्षता पंचायत प्रशासक मदनलाल वर्मा ने की।विशिष्ट अतिथि कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बालचंद मीणा,पूर्व अध्यक्ष भवानीशंकर गुर्जर,खानपुर पूर्व सरपंच ललित राठौर,एससी विभाग ब्लॉक अध्यक्ष रामभरोस मेघवाल रहे।इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक सहित अन्य अथितियों का भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर विधायक सुरेश गुर्जर ने कहा कि विधायक कोष जनता जनार्दन का पैसा होता है इसका उपयोग पूर्ण पारदर्शिता से जनहित में ही किया जावेगा।भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा में नाम का ×फेरबदल कर जनता को गुमराह करते हुए नष्ट करने पर तुली हुई है।नरेगा कमजोर हो चुकी है जिससे लोगो के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है।जिससे प्रतीत होता है कि भाजपा सरकार जनविरोधी नीतियों में लिप्त है।अगर कांग्रेस मजबूती से विपक्षी की भूमिका में नही होती तो इनके द्वारा सीधे तरीके से ही अब तक मनरेगा को समाप्त किया जा चुका होता लेकिन कांग्रेस कभी इनके मकसद को कामयाब नही होने देंगी।इस मौके पर मो.शफी मंसूरी, गजानंद बैरवा, रामचंद्र गुर्जर, रामस्वरूप एडवोकेट प्रेमशंकर मेघवाल, प्रहलाद मेघवाल, घनश्याम मेघवाल,परमानंद मेघवाल, सहित अन्य सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

नार्वे पहुंचे पीएम मोदी

ओस्लो में लहराया तिरंगा, भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेल में लेंगे हिस्सा

ओस्लो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के दौरे के लिए अब स्वीडन के बाद नॉर्वे पहुंच गए है। इस दौरान नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोरे ने पीएम मोदी के आगमन पर गार्डेरमोएन हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बता दें कि यह दौरा 43 वर्षों में पहली बार है जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने नॉर्वे की यात्रा की है और इसे उत्तरी यूरोप की ओर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। नॉर्वे दौरे के दौरान 19 मई को तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे और नॉर्वे पीएम स्टोरे के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। ओस्लो में तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के दिग्गज नेता शामिल होंगे। बता दें कि इस बैठक में रक्षा सहयोग, सस्टेनेबिलिटी, डिजिटलाइजेशन, स्पेस टेक्नोलॉजी समेत कई मुद्दों पर बातचीत होगी। इससे पहले पहला शिखर सम्मेलन 2018 में और दूसरा 2022 को कोपेनहेगन में हुआ था। नॉर्वे यात्रा के दौरान ढट मोदी ने कहा कि वे अपनी यात्रा के दौरान राजा हेराल्ड पंचम और रानी सोन्या से मुलाकात करेंगे और पीएम जोनास स्टोरे के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। साथ ही भारत-नॉर्डिक सम्मेलन पर कहा कि 19 तारीख को, ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन होगा, और यह नॉर्डिक समकक्षों से मिलने का एक शानदार अवसर रहेगा।यह दौरा भारत-उत्तरी देशों के संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। प्रवासी भारतीयों के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव के अलावा, व्यापार और आर्थिक तालमेल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, सात ही यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समझौते के बाद यह एक महत्वपूर्ण दौरा है। बता दें कि इससे पहले स्वीडन की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद पीएम मोदी नॉर्वे पहुंचे और उन्होंने कहा कि इस यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों को नई गति मिली है।

कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए योजनाओं में तेजी लाने के कड़े निर्देश

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी और विकास योजनाओं की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को जनहित की योजनाओं को धरातल पर उतारने और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का सख्त निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिंह ने कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति, बजट आवंटन और खर्च की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला, प्रखंड व पंचयात स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। आगे उन्होंने कल्याण छात्रावास, जाहेरस्थान घेराबंदी, मांझी भवन निर्माण के अलावा प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप के आवंटन और खर्च की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने प्रखंडवार साइकिल वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना और मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत सुयोग्य लाभुकों को योजनाओं के लाभ से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला कल्याण पदाधिकारी दयानंद दुबे, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, सभी प्रखंडों के प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सहित कल्याण विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

पीएम मोदी ने केरलम के नए मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन को दी बधाई

- केंद्र की ओर से पूर्ण सहयोग का दिया भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वी.डी. सतीशन को केरलम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। पीएम मोदी ने नवगठित राज्य सरकार को केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद और पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया है। केरलम की जनता से सीधा जुड़ाव दिखाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मलयालम भाषा में पोस्ट कर कहा कि केरल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले वी.डी. सतीशन जी को हार्दिक बधाई। मैं उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं। जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, केंद्र सरकार नई केरलम सरकार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन देती है। वी.डी. सतीशन ने आज दिन में तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में केरल के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ 20 सदस्यीय कैबिनेट ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा भी शामिल हुए। खुद मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन उनका स्वागत करने हवाई अड्डे पहुंचे थे।कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने केरल विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। 140 सदस्यीय विधानसभा में यूडीएफ ने 102 सीटों पर कब्जा कर पिछले एक दशक से चले आ रहे माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ (एलडीएफ) शासन को उखाड़ फेंका।

कांग्रेस हारती तो सब गंवा देते सतीशन

वनवास का था ऐलान, पर जीत ने बना दिया सुलतान

तिरुअनंतपुरम।

वडास्सेरी दामोदर मेनन सतीशन ने सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कोच्चि के एक वकील से नेता बने सतीशन ने अपने तीखे भाषणों और संगठनात्मक अनुशासन के बल पर कांग्रेस में अपनी पहचान बनाई। संयमित सार्वजनिक व्यवहार और विधानसभा के भीतर वाम सरकार पर आक्रामक हमलों के लिए पहचाने जाने वाले वी डी सतीशन को उनके समर्थक 'वीडी' या 'वीडएस' कहते हैं। पांच वर्ष पहले राज्य विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाए जाने के बाद सतीशन ने केरल में कांग्रेस पार्टी को फिर से मजबूत बनाने में मुख्य भूमिका निभाई। विपक्ष के नेता के रूप में सतीशन ने कथित भाई-भतीजावाद और वित्तीय अनियमितताओं समेत कई मुद्दों पर पिनराई विजयन नीत वाम सरकार को घेरते हुए कांग्रेस को युवा नेतृत्व और अधिक ऊर्जावान चुनाव अभियान की ओर अग्रसर किया। उन्होंने नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का नेतृत्व करते हुए गठबंधन को सत्ता तक पहुंचाया। इसके साथ ही यूडीएफ एक दशक बाद केरल में फिर से सत्तारूढ़ हुआ। कांग्रेस आलाकमान ने केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में सतीशन के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए चुना। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों, कानून-व्यवस्था की समस्याओं और राज्य के वित्तीय संकट को प्रमुखता से उठाया तथा कई बार सीधे मुख्यमंत्री विजयन पर निशाना साधा। केरल कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं के अनुसार इस जीत की नींव 2021 विधानसभा चुनाव में हार के बाद के कठिन दौर में पड़ी, जब राहुल गांधी ने सतीशन को विपक्ष का नेता बनाए जाने का समर्थन किया। उस समय जिसे जोखिम भरा फैसला माना जा रहा था, अब पार्टी के भीतर उसे निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। जमीनी स्तर पर लगातार सक्रिय रहने और स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिए जाने की उनकी रणनीति ने संगठन और मतदाताओं दोनों का भरोसा फिर से मजबूत किया।

विजय मिश्रा के बहाने योगी पर वार

क्या खुशी दुबे वाली गलती दोहरा रहा विपक्ष?

लखनऊ।

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा और उनके परिवार को भदोही की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सजा क्या सुनाई,यूपी की राजनीति एक बार फिर गर्मा गई है। न्यायालय ने पूर्व विधायक विजय मिश्र,उनकी पत्नी व पूर्व एमएलसी रामलली मिश्र और उनके बेटे विष्णु मिश्र को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वहीं,उनकी बहू रूपा मिश्र को 4 वर्ष के कारावास की सजा दी गई है। विपक्ष इसे लेकर सत्तारूढ़ योगी सरकार पर निशाना साधते हुए उसे ब्राह्मण विरोधी ठहराने में जुटी है जबकि योगी सरकार इसे आपराधिक मामलों में जांच एजेंसियों की रिपोर्ट पर कोर्ट का फैसला बता रही है। अगले साल यूपी में विधानसभा चुनाव हैं और उससे पहले विजय मिश्रा पर विपक्ष वही नैरेटिव बनाने की कोशिश में जुटा है जैसा उसने बिकरू कांड मा गिरफ्तार खुशबू दुबे के मामले में बनाया था। ये अलग बात है कि तब उसे इसका कोई सीधा फायदा नहीं मिला था। विजय मिश्र का भदोही जलि की ज्ञानपुर सीट पर दो दशकों तक कब्जा रहा है. वे 2002 से 2017 तक लगातार चार बार विधायक रहे। 2022 के यूपी वधिानसभा चुनाव में निषाद पार्टी ने उनका टिकट काटकर विपुल दुबे को प्रत्याशी बनाया। विजय मिश्र तब प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ तीसरे स्थान पर रहे।मिश्रा को एक हफ्ते में दो बड़े झटके लगे हैं। एक तो उन्हें बीते बुधवार 46 साल पुराने यानी साल 1980 के प्रकाश नारायण हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वहीं रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने के जुर्म में 10-10 साल की सजा सुनाई है। इस केस में तो विजय मिश्रा के अलावा उनकी पत्नी रामलली मिश्रा और बेटा विष्णु मिश्रा को 10 साल तो बहू रूपा को 4 साल की सजा सुनाई गई है। विजय मिश्रा पर कुल 83 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। योगी सरकार के गैंगस्टर एक्ट के तहत उनकी अरबों रुपये की बेनामी संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। दरअसल योगी आदित्यनाथ की सबसे बड़ी राजनीतिक यूएसपी उनकी 'कड़क कानून-व्यवस्था' और 'अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस' रही है। जब विपक्ष विजय मिश्रा या विकास दुबे जैसे चेहरों के पक्ष में खड़ा दिखाई देता है, तो जनता के बीच मैसेज जाता है कि विपक्ष माफियाओं और अपराधियों का सरपरस्त है। इससे पहले बुलडोजर एक्शन को लेकर भी योगी सरकार को ऐसे ही घेरा गया लेकिन जनता ने न सिर्फ यूपी में बल्कि दूसरे राज्यों में भी भरपूर समर्थन दिया और अब दूसरी सरकारें भी इसे जोर शोर से अपना रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

14.50 लाख के अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, दिल्ली ले जाने की थी योजना

चतरा, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज पुलिस ने झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित गोसाईडीह के पास से 14 लाख 50 हजार के अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर अनिल कुमार यादव चतरा सदर थाना क्षेत्र के सिकिद गांव का रहने वाला है। उसके पास से 2.900 किलोग्राम अफीम के अलावा दो मोबाइल व 1200 नकद जब्त किया गया। यह जानकारी एसपी अनिमेष मैथानी ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि चतरा-जोरी के तरफ से एक व्यक्ति टेंपो पर सवार होकर अफीम लेकर बिहार के गया जा रहा है। सूचना के आलोक में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोसाईडीह के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान लगाया गया। इस दौरान एक सवारी टेंपो को रोका गया, तभी उसमें सवार एक व्यक्ति अचानक काला रंग का पिट्ठू बैग लेकर टेंपो से कूद कर भागने का प्रयास किया। उसे खदेड़ कर पकड़ा गया। पूछताछ में गिरफ्तार तस्कर ने बताया कि अफीम को दिल्ली लेकर जाना था, जहां किसी तस्कर को सौंपना था।

पतरातू में पीवीयूएनएल का स्वच्छता अभियान, निकली प्रभात फेरी

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले के पतरातू में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के तहत मंगलवार को पीवीयूएनएल द्वारा कटिया मार्केट क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एके सहगल ने किया। इस दौरान सीजीएम (प्रोजेक्ट) अनुपम मुखर्जी, जीएम (ओ एंड एम) मनीष खेतरपाल, एचओएचआर जियाउर रहमान सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अभियान के तहत कटिया मार्केट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। वहीं लोगों की सुविधा और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर डस्टबिन का वितरण और स्थापना भी की गई। मौके पर अधिकारियों ने दुकानदारों और स्थानीय लोगों को कचरा प्रबंधन, सूखा और गीला कचरा अलग रखने तथा स्वच्छ वातावरण के महत्व की जानकारी दी। लोगों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता जागरूकता को लेकर प्रभात फेरी भी निकाली गई। प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया।

सारंडा में रफ्तार पकड़ेगी अर्थव्यवस्था, विजया-2 माइंस को मिली हरी झंडी

सारंडा, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा क्षेत्र के हजारों बेरोजगार युवाओं, ट्रक मालिकों और छोटे कारोबारियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने देश की प्रमुख स्टील कंपनी टाटा स्टील को विजया-2 आयरन ओर माइंस के संचालन की अनुमति दे दी है। करीब नौ महीने से बंद इस खदान के दोबारा शुरू होने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में फिर तेजी आने की उम्मीद जगी है। खान निदेशक राहुल सिन्हा द्वारा जारी आदेश में प्रशासन को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद घाटकुरी मौजा स्थित रक्षित वन क्षेत्र की 383।20 एकड़ भूमि में लौह अयस्क खनन का रास्ता साफ हो गया है। विजया-2 माइंस बंद होने से सारंडा, बड़ाजामदा, गुवा, किरीबुरू और मेघाहातुबुरू क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई थी। हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए थे, जबकि सैकड़ों ट्रक और डंपर महीनों से खड़े-खड़े जंग खा रहे थे। ट्रांसपोर्टिंग, गैरेज, ढाबा, होटल और छोटे व्यापार लगभग ठप हो गए थे। अब खदान के फिर से संचालन से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में फिर जान आने की उम्मीद है।

गढ़वा में जनजातीय गरिमा उत्सव और जन भागीदारी अभियान का शुभारंभ

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में 'जनजातीय गरिमा उत्सव, जन भागीदारी अभियान - सबसे दूर, सबसे पहले' के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त ने दीप प्रज्वलित कर किया। बताया गया कि इस अभियान के तहत 18 से 25 मई 2026 तक विशेष रूप से कैंप आयोजित कर जनजातीय उत्थान के काम किए जाएंगे। कार्यक्रम में उपायुक्त मित्तल ने कहा कि जनजातीय समाज हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने का अभिन्न हिस्सा है। सरकार के 'सबसे दूर-सबसे पहले' अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों) के उत्थान के लिए 'पीएम जनमन' एवं 'धरती आबा जनजातीय कल्याण उत्थान' जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। उपायुक्त ने जिला और प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संवेदनशीलता के साथ निर्धारित तिथियों में कैंप लगाकर जनजातीय समुदायों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन करें।

पिता राज्यसभा में.. बेटे जाएंगे विधान परिषद,

निशांत और दीपक प्रकाश एमएलसी बनकर बचाएंगे मंत्री पद

पटना, एजेंसी। बिहार में एनडीए के दो प्रमुख घटक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पुत्र बिना किसी सदन के सदस्य बने सम्राट चौधरी सरकार में मंत्री हैं। जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार स्वास्थ्य मंत्री हैं तो आरएलएम अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश पंचायती राज मंत्री हैं। दीपक दूसरी बार मंत्री बने हैं। पहले भी किसी सदन के सदस्य नहीं थे और अभी भी किसी सदन के सदस्य नहीं है। चर्चा है कि निशांत और दीपक को विधान परिषद के माध्यम से सदस्य बनाया जाएगा, जिससे उनके मंत्री पद बचा रहे.

नीतीश कुमार बिहार में करीब 20 साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं लेकिन कभी भी इस दौरान चुनाव नहीं लड़ा। विधान परिषद के सदस्य बनकर ही मुख्यमंत्री बनते रहे। अब नीतीश कुमार के बेटे निशांत को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है और चर्चा है कि पार्टी विधान परिषद के माध्यम से सदन में भेजेगी। पहले चर्चा थी कि निशांत को नितिन नबीन वाली बांकीपुर सीट पर उपचुनाव लड़ाया जाएगा.

हरनौत सीट को लेकर भी चर्चा: इसके साथ ही ये भी चर्चा थी कि हरनौत से जेडीयू विधायक हरि नारायण सिंह इस्तीफा देंगे और वहां से निशांत उम्मीदवार बनेंगे। नीतीश पहली बार 1985 में हरनौत से ही विधायक बने थे। हरि नारायण 10वीं बार हरनौत से विधायक बने हैं और रिकॉर्ड बनाया है। अब पार्टी के अंदरखाने से जो खबर आ रही है, उसके मुताबिक निशांत को मंत्री पद बचाने के लिए एमएससी बनाया जा सकता है। नीतीश कुमार की खाली हुई विधान परिषद की सीट का कार्यकाल 2030 तक है, निशांत को उसी सीट से भेजने की तैयारी है। 2030 में जब विधानसभा का चुनाव होगा, तब हरनौत से निशांत कुमार चुनाव लड़ेंगे। क्या है विकल्प?: राजनीतिक विशेषज्ञ सुनील पांडे का कहना है कि दीपक प्रकाश के लिए एमएलसी बनना ही एक मात्र ऑप्शन है, जबकि निशांत के लिए दोनों ऑप्शन खुले हुए हैं। विधानसभा का चुनाव भी लड़ सकते हैं चाहे तो एमएलसी भी बन सकते हैं लेकिन अभी एमएलसी की सीट खाली है और पार्टी के लिए भी निशांत को विधान परिषद के माध्यम से सदन में भेजना आसान है। निशांत पर जेडीयू नेतृत्व लेगा फैसला: जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार का कहना है निशांत विधायक बनेंगे या विधान परिषद के माध्यम से सदस्य बनेंगे, यह फैसला पार्टी के नेता लेंगे लेकिन तेजस्वी यादव जिस प्रकार से बयान दे रहे हैं तो उनकी माता राबड़ी देवी मुख्यमंत्री बनी थी तो विधान परिषद के माध्यम से ही। राबड़ी देवी को लालू प्रसाद यादव की जेल जाने के बाद बनाया गया था। निशांत कुमार को पैरवी से नहीं डिमांड पर लाया गया है.

क्या बोले श्रवण कुमार?: वहीं, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का कहना है, 'निशांत चुनाव लड़ेंगे या विधान परिषद से जाएंगे यह तो पार्टी के नेता तय करेंगे लेकिन समय आने दीजिए सब कुछ अच्छा होगा.'

दीपक प्रकाश के पास कोई ऑप्शन नहीं: उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश पंचायती राज मंत्री हैं। उनको नीतीश सरकार में भी पंचायती राज मंत्री बनाया गया था और उस समय पार्टी के अंदर भी विद्रोह हो गया था लेकिन बाद में उपेंद्र कुशवाहा ने स्थितियां संभाल ली। अब जब सम्राट चौधरी की सरकार बनी है तो उसमें भी दीपक प्रकाश को पंचायती राज मंत्री बनाया गया है लेकिन अभी तक दीपक प्रकाश किसी सदन के सदस्य नहीं बने हैं.

अब विधान परिषद की जो सीट खाली हो रही है, उसी में से एक पर दीपक प्रकाश को भेजा जाएगा। उनके लिए दूसरा कोई ऑप्शन भी नहीं है। विधान परिषद चुनाव में निशांत कुमार और दीपक प्रकाश को मौका मिलना तय है। वैसे भी विधानसभा में एनडीए को प्रचंड बहुमत है। ऐसे में खाली हो रही 10 सीटों में से 9 पर एनडीए को जीत मिलना तय है.

आरजेडी का तंज: हालांकि आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद का कहना है कि जेडीयू के नेता कुछ भी कह लें लेकिन हकीकत तो यही है कि निशांत कुमार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। जहां तक दीपक प्रकाश का सवाल है तो उनके सामने यही एक मात्र विकल्प है कि एमएलसी बनकर मंत्री पद बचाएं.

पिता राज्यसभा में बेटे जाएंगे विधान परिषद: सबसे खास बात है कि नीतीश कुमार राज्यसभा के सदस्य हैं और उपेंद्र कुशवाहा भी राज्यसभा के सदस्य हैं। अब दोनों के बेटे विधान परिषद के सदस्य बनेंगे यानी पिता की तरह बेटे भी बिना चुनाव लड़े विधान परिषद के सदस्य आसानी से बन जाएंगे। दोनों को जनता नहीं विधायक चुनेंगे, क्योंकि मंत्री बनने के बाद 6 महीने के अंदर किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी है। निशांत और दीपक प्रकाश एमएलसी बनकर ही अपना मंत्री पद बचाएंगे.

कार्यप्रणाली में नहीं किया सुधार, तो रोक दिया जाएगा वेतन, सीडीओ ने दी चेतावनी

आगरा , एजेंसी। सीएम डैशबोर्ड के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। जिन विभागों ने अप्रैल में लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं किया, वे सात दिन में स्थिति सुधार लें। कार्यप्रणाली में सुधार न होने पर मई माह का वेतन नहीं मिलेगा। ये निर्देश सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने विकास भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए।

उन्होंने अप्रैल में फिसड्डी विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह में प्रगति सुधारने का अल्टीमेटम दिया। निर्माण कार्यों में लेटलतीफी पर भी सीडीओ ने नाराजगी जताई। सीडीओ ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर जिन विभागों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिलेगी, उन लापरवाह विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। कार्यप्रणाली में सुधार के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने सीएमआईएस योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। पोर्टल पर जो परियोजनाएं विलंबित दिख रही हैं, उन कार्यदायी संस्थाओं को इसी महीने के अंत तक काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सीडीओ ने कहा कि जो कार्य किसी भी स्थिति में तय समय पर पूरे नहीं हो सकते, उनके अधिकारी तत्काल शासन या संबंधित उच्चाधिकारियों से समय सीमा संशोधित कराएं।

कार्यों का होगा थर्ड पार्टी निरीक्षण : सीडीओ ने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित किया कि जिन कार्यदायी संस्थाओं ने निर्माण कार्य पूरे कर लिए हैं, उनका तत्काल थर्ड पार्टी निरीक्षण कराया जाए।

महिलाओं से संवाद करके भाजपा पर करेंगे पलटवार

गैस सिलिंडर, सोना खरीद पर होगी बात

लखनऊ , एजेंसी। संसद में महिला आरक्षण को लेकर जिस तरह से राजनीतिक गर्माहट पैदा हुई, उसका असर रहा कि राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में भाजपा हमलावर रही। भाजपा की महिला ब्रिगेड ने धरना प्रदर्शन कर राहुल गांधी को निशाने पर लिया। अब मंगलवार को राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र में महिलाओं से संवाद करने के लिए लालगंज आ रहे हैं। उनका यह कार्यक्रम कई मामले में अहम है। पहली बार राहुल गांधी महिलाओं से रू-ब-रू होंगे। इस दौरान महंगाई के साथ अन्य मुद्दों को भी उठाकर केंद्र सरकार को घेर सकते हैं।

हर बार एक विधानसभा क्षेत्र में संवाद जरूर करते हैं : सांसद को अप्रैल में दिशा की बैठक में आना था, लेकिन वह नहीं आए थे। उस दौरान कयास लगाए जा रहे थे कि वह मई में जिले का दौरा कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी जब भी जिले का दौरा करते रहे हैं तो किसी एक विधानसभा क्षेत्र में संवाद जरूर करते हैं। अभी तक वह ऊंचाहार, सदर, हरचंदपुर में लोगों से मुलाकात करने के साथ संवाद कर चुके हैं।

मंगलवार को वह पहली बार खीरों का दौरा करेंगे। साथ ही लालगंज में महिलाओं के साथ संवाद करेंगे। मंगलवार की दोपहर 11 बजे खीरों पहुंचेंगे। यहां वह मुख्य चौराहा के बगल में स्थित सरस्वती इंटर कॉलेज, रायबरेली के सामने एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां पर कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह लालगंज पहुंचेंगे। वहां एक गेस्टहाउस में महिलाओं से बातचीत करेंगे।

इन मुद्दों पर बात कर सकते हैं सांसद : महिलाओं से बातचीत में रसोई गैस सिलिंडर, सोने चांदी की खरीद और महंगाई के मुद्दे पर सांसद बात कर सकते हैं। जिस तरह से वह पेट्रोल, डीजल की कम खरीद, सोने की एक साल तक खरीद न होने को लेकर केंद्र सरकार को घेर रहे हैं साफ है कि लालगंज में भी वह इन्हीं मुद्दों पर बोलेंगे।

लोकसभा चुनाव में महिलाओं ने राहुल गांधी को जमकर वोट दिया था। ऐसे में आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाओं का रुझान किधर है और उनके मन में क्या चल रहा है, इसको टटोलने का काम भी राहुल गांधी संवाद करेंगे।

डूडा-पीएम आवास के नाम पर 27.34 लाख रुपये की धोखाधड़ी, मंगेतर के जेवर भी ले लिए, केस दर्ज

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में ठाकुरगंज के बसंतकुंज निवासी बिजली मैकेनिक अब्दुल रहीम ने पांच लोगों पर 27.34 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोपियों ने डूडा और पीएम आवास योजना के नाम पर अब्दुल व उनके चार रिश्तेदारों से ठगी की। ठाकुरगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पीड़ित अब्दुल के अनुसार, 2024 में उन्हें और उनके चार रिश्तेदारों को आवास की जरूरत थी। फरवरी 2024 में मुलाकात के बाद विकासनगर में गुलाचीन मंदिर के पास रहने वाले मौसम मिर्जा और उसके भाई सलमान ने डूडा आवास के लिए 2.25 लाख रुपये और पीएम आवास के लिए 4.50 लाख रुपये मांगे।

आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया

उन्होंने और उनके रिश्तेदारों ने 17 मार्च से 8 जून 2024 तक आरोपी भाइयों को 24.23 लाख रुपये दिए। आरोपियों ने उनकी मंगेतर के जेवर भी ले लिए। कुछ दिन बाद उन्हें पांच मकानों के आवंटन के दस्तावेज तो मिले, लेकिन कब्जा नहीं दिया गया। संपर्क करने पर आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया।

छानबीन में मौसम और सलमान का गिरोह सामने आया, जो मकान के नाम पर धोखाधड़ी करता है। अब्दुल का कहना है कि 20 जुलाई 2024 को वह आरोपियों के घर जा रहे थे, तभी रास्ते में आरोपी भाइयों, उनकी बहन शीना व दो अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज की।

पुलिस कर रही जांच

साथ ही रकम मांगने या शिकायत करने पर अपहरण व हत्या की धमकी दी। पुलिस से शिकायत के बाद आरोपी तमंचा लेकर उनकी ससुराल पहुंचे और सभी को धमकी दी। इंस्पेक्टर ओमवीर चौहान ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

युवतियों के लिए बड़ा मौका, 21 मई को आईटीआई में लगेगा कैंपस ड्राइव, 200 पदों पर होगी भर्ती

कंपनी की ओर से रियायती दर पर भोजन, यूनिफॉर्म और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी

लखनऊ, एजेंसी। तकनीकी शिक्षा हासिल कर नौकरी की तलाश में जुटी युवतियों के लिए अच्छी खबर है। राजधानी लखनऊ में अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई परिसर में 21 मई को विशेष कैंपस ड्राइव आयोजित होगी। इसमें देश की नामी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की ओर से 200 पदों पर भर्ती की जाएगी। चयनित युवतियों को हर महीने करीब 41,713 रुपये वेतन के साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी।

आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि यह कैंपस ड्राइव उत्तर प्रदेश की आईटीआई पास महिला उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति हरियाणा के गुड़गांव स्थित मारुति सुजुकी प्लांट में फिक्स टर्म इम्प्लाइज के रूप में होगी।

कंपनी की ओर से रियायती दर पर भोजन, यूनिफॉर्म और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही हाईस्कूल में कम से कम 40 प्रतिशत अंक और किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

कैंपस ड्राइव में डीजल मैकेनिक, मैकेनिक मोटर वाहन, मैकेनिक ट्रैक्टर, पेंटर, टेक्नीशियन ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग, वेल्डर, टूल एंड डाई मेकर, टर्नर, मशीनिस्ट, मैकेनिक ऑटो बॉडी रिपेयर एंड पेंटिंग और शीट मेटल वर्कर ट्रेड की युवतियां भाग ले सकेंगी। राजधानी समेत प्रदेश की युवतियों के लिए यह रोजगार पाने और बड़े औद्योगिक संस्थान में कॅरिअर शुरू करने का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

आवा गुरु, इहंवा बइठा... पहले यही बनारस था, अब थोड़ा फुर्सत खो रहा

वाराणसी , एजेंसी। घाट वही हैं, सीढ़ियां वही हैं, गंगा वही है, लेकिन वहां बैठने का ढंग बदल गया है। अब लोग घाट पर बैठकर समय बिताने कम, समय दिखाने ज्यादा आते हैं। पहले तस्वीरें याद के लिए ली जाती थीं, अब पोस्ट के लिए। पहले दोस्त बनते थे, अब फॉलोअर। चाय की दुकानों पर बहसें थोड़ी कम हुई हैं और स्क्रीन की रोशनी थोड़ी ज्यादा बढ़ गई है। भीड़ पहले से कहीं ज्यादा है, लेकिन बातचीत थोड़ी कम सुनाई देती है। यह बदलाव सिर्फ बनारस का नहीं, पूरे समय का है...।

एक दौर था जब बनारस सिर्फ मंदिरों, घाटों और गलियों का शहर नहीं था, बल्कि फुर्सत का भी शहर था। यहां लोग सिर्फ काम से नहीं निकलते थे, बेवजह भी निकल पड़ते थे। किसी को कहीं पहुंचने की जल्दी नहीं होती थी। शाम ढलते ही कदम अपने आप अस्सी, लंका, वीटी और घाटों की ओर बढ़ जाते थे। तब बनारस में मिलना तय नहीं होता था, हो जाता था। घाटों की सीढ़ियां और आसपास की चाय की दुकानें किसी अनौपचारिक संसद से कम नहीं थीं। कहीं राजनीति पर बहस चल रही है, कहीं रिसर्च स्कॉलर अपने गाइड को कोस रहे हैं। कोई प्रेम में असफल होकर दर्शनशास्त्र झाड़ रहा है, तो कोई कविता सुनाकर शाम को और लंबा कर देना चाहता है। पांच मिनट खड़े रह जाइए, कोई न कोई जरूर आवाज देता आवा गुरु, इहंवा बइठा... यही बनारस था, जहां पहचान बनने में वक्त नहीं लगता था।

अस्सी घाट तब सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं था। यह शहर का सार्वजनिक बैठक खाना था। कोई अखबार लेकर बैठा है, कोई गंगा को निहारते हुए चुप है, तो कोई बिना पूछे जीवन का सार समझाने को तैयार। घाट पर बैठे बुजुर्ग, चाय वाले की आवाजें, नावों की हलचल और गंगा के सामने पसरा ठहराव सब मिलकर ऐसा माहौल बनाते थे कि मन अपने आप हल्का हो जाता था।

बनारस की इस फुर्सत को समझना हो तो बीएचयू की शामों को देखना चाहिए। लंका से लेकर विश्वनाथ मंदिर तक जाती सड़कें, हॉस्टलों के बाहर चाय की दुकानों पर जमीं महफिलें, विभागों

के बाहर घंटों चलने वाली बहसें सब इस शहर की उसी धीमी संस्कृति के हिस्सा थे। यहां पढ़ाई सिर्फ क्लासरूम में नहीं होती थी, बल्कि चाय के कुल्हड़ों, हॉस्टल के कमरों और लंबी टहलती शामों में भी होती थी। तब मोबाइल जेब में रहता था, हाथ में नहीं। लोग स्क्रीन कम, चेहरे ज्यादा देखते थे। चाय की दुकानों पर उधार चलता था और भरोसा भी। कई जगह रुपये बाद में देने की बात पर सिर्फ मुस्कान मिलती थी। बनारस का हिसाब अलग था। यहां गणित से ज्यादा पहचान चलती थी। भीड़ बहुत होती थी, लेकिन कोई अकेला नहीं लगता था। बनारस की सबसे बड़ी खूबी यही थी कि यहां अकेलापन भी सामाजिक हो जाता था।

फिर धीरे-धीरे शहर बदला। घाट वही हैं, सीढ़ियां वही हैं, गंगा वही है, लेकिन वहां बैठने का ढंग बदल गया है। अब लोग घाट पर बैठकर समय बिताने कम, समय दिखाने ज्यादा आते हैं। पहले तस्वीरें याद के लिए ली जाती थीं, अब पोस्ट के लिए। पहले दोस्त बनते थे, अब फॉलोअर।

● *चाय की दुकानों पर बहसें थोड़ी कम हुई हैं और स्क्रीन की रोशनी थोड़ी ज्यादा बढ़ गई है। भीड़ पहले से कहीं ज्यादा है, लेकिन बातचीत थोड़ी कम सुनाई देती है। यह बदलाव सिर्फ बनारस का नहीं, पूरे समय का है। लेकिन शिकायत बनारस से इसलिए ज्यादा होती है, क्योंकि इस शहर से उम्मीदें भी ज्यादा रही हैं। यह शहर हमेशा भागती दुनिया के बीच एक धीमी जगह रहा, जहां आदमी थोड़ी देर के लिए खुद से मिल सकता था। आज भी अस्सी की हवा वही है, गंगा भी उसी धैर्य से बह रही है। बस इंतजार इस बात का है कि शायद किसी दिन बनारस फिर थोड़ा धीमा हो जाए। जहां चाय थोड़ी फीकी हो सकती थी, लेकिन बातचीत हमेशा मीठी होती थी।*

-अमन सिंह गौर,
पूर्व छात्र, परास्नातक, इतिहास विभाग, बीएचयू

प्रदेश में आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा ध्वस्त : डोटासरा

चमकता राजस्थान

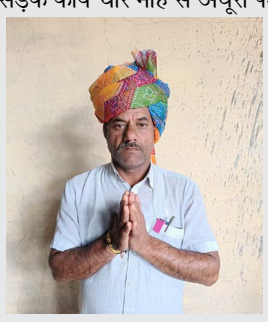

जयपुर। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर मीडिया को सम्बोधित करते हुये राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य और केन्द्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अनियंत्रित मंहगाई, नीट पेपर लीक घोटाला और राज्य की स्वास्थ्य व शिक्षा प्रणाली के पूर्ण पतन जैसे गम्भीर मुद्दों को उजागर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकार केवल इवेंटमैनेजमेंट और नौटंकी के सहारे चल रही है।

● आर्थिक संकट और ईंधन की कमी

श्री डोटासरा ने आसमान छूती मंहगाई पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि पेट्रोल की कीमतें लगभग 110 तक पहुँच गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईंधन की सख्त राशनिंग की जा रही है, जहाँ आम नागरिकों को केवल 1000 से 1500 का ईंधन मिल रहा है और उद्योगों के लिये यह सीमा एक लाख है। देश में केवल 9 से 10 दिन का ईंधन भण्डार बचा है। उन्होंने आगाह किया कि यदि यही हालात रहे तो अगले 10 से 15 दिनों में लॉकडाउन जैसी स्थिति उत्पन्न हो जायेगी, जिससे उद्योग और वाहनों का संचालन ठप्प हो जायेगा।

● नीट घोटाला और युवाओं से धोखा

केन्द्र पर निशाना साधते हुये, उन्होंने नीट परीक्षा घोटाले का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीए के अधिकारी 2019 से कोचिंग माफियाओं के साथ मिलीभगत कर पेपर बेच रहे हैं। यह 22 लाख बच्चों का भविष्य बर्बा कर रहा है और देश में फर्जी डॉक्टर बना रहा है। इस अन्याय के खिलाफ 21 मई को भाजपा कार्यालय का विशाल घेराव और प्रदर्शन किया जायेगा।

● प्रशासनिक लकवा और नौकर-शाही का राज

श्री डोटासरा ने सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन को उजागर करते हुये बताया कि कर्मचारियों को मई और अप्रेल माह का वेतन नहीं मिला है। 70 साल के इतिहास में पहली बार बिना वित्तीय स्वीकृति के जून का महीना आ रहा है। वित्त विभाग ने पीडब्ल्यूडी सड×कों की 3000 करोड़ की घोषणाओं को अवैध रूप से डीएमएफटी फंड से वित्त पोषित करने के निर्देश दिये हैं, जो केवल खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिये हैं। उन्होंने मंत्रियों की नौटंकी का कड़ा मजाक उड़ाया।

● स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था खस्ताहाल

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है। श्री डोटासरा ने बताया कि पहले मिलने वाली 750 मुफ्त दवाईयों में से अब 50 भी मुफ्त नहीं मिल रही है। निजी अस्पतालों के 3000 करोड़ बकाया पड़े हैं। सरकार ने कोटा में हुई मौतों के प्रति भी घोर उदासीनता दिखा-ई है। शिक्षा पर स्वयं राज्यपाल ने भी शिक्षा के गिरे स्तर, खाली विश्वविद्यालयों और फर्जी डिग्रियों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है।

» – धर्मेन्द्र प्रधान जी के विभाग में सारा का सारा जो है वो दाल में काला नही। दाल

» ही काली है।

» – ब्यूरोक्रेसी मजे ले रही है। दिल्ली से पर्ची आती है। दिल्ली का ठेकेदार गुजरात का

» आता है।

» – अगर फोटों खिंचाकर मोदी जी को भेजने के लिए ही आपको मुख्यमंत्री बनाया है तो फिर हम क्या कर सकते हैं?

» – इनके पास ना तो जवाब है, ना जवाबदेही है। केवल और केवल नौटंकी और

संक्षिप्त समाचार

खोखरिया खुर्द से छान का खेड़ा 7 किलोमीटर लंबी सड़क का कार्य चार माह से अधूरा पड़ा

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। खोखरिया खुर्द से लेकर छान का खेड़ा मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली सड़क कार्य चार माह से अधूरा पड़ा सड़क की हालत बहुत खराब है

पशुओं को चलने में एवं राहगीरों को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है खोखरिया खुर्द पंचायत प्रशासक प्रतिनिधि सज्जन सिंह ने बताया आए दिन राहगीरों के एक्सीडेंट हो रहे हैं एवं पशुओं के पेर की खुरी मे बड़ी गिट्टी फंसने की वजह से पशु लंगड़े हो रहे हैं खोखरिया खुर्द के ग्रामीणों का का कहना है कि हमारे पशु के पांव में गिट्टी लगने की वजह से लंगड़े हो गए हैं चल नहीं पा रहे हैं उनका घर पर ही चारा पानी किया जा रहा है ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के इलाके में खोखरिया खुर्द में प्रसिद्ध रेवी देवी माताजी मंदिर में जाने वाली सड़क भी यही है इसलिए श्रद्धालुओं को भी बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है जल्दी से जल्दी इस सड़क को डामर किया जाए वरना हम पुरे ग्रामीण मिलकर धरना प्रदर्शन करेंगे उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। भवानी मंडी पीडब्ल्यूडी जयन हिमांशु ने बताया डामर कार्य सभी सड़कों का रुका हुआ है,

श्री मान मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार जयपुर और श्रीमान उपखंड अधिकारी तहसील तिजारा जिला तिजारा के नाम सोपा ज्ञापान

चमकता राजस्थान/पत्रकार कश्मीर सिंह खैरथल तिजारा। ब्लाक तिजारा नगर पालिका तिजारा, जिला खैरथल तिजारा में श्रमिको ने सौपा ज्ञापन उप खण्ड अधिकारी तिजारा को' .मुख्यमंत्री के नाम और उप खण्ड के नाम भी V,B,G राम योगा के के तहत कार्य कर रहे शर्मियों का पिछले 6 माह से भुगतान नहीं होने के कारण शर्मी को के परिवार को आर्थिक संकट आ गया है जिस पर परिवार का खर्चा चलना दुर्भाग्य हो रहा है! सभी महिला श्रमिको के परिवार का खर्चा VBG RAM G YOJNA के तहत कार्य करने पर जो भुगतान मिलता है उसे पर परिवार का खर्च चलना बहुत मुश्किल है₹! समस्त श्रमिकों ज्ञापन के माध्यम से सरकार को अवगत कराया! मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार जयपुर के नाम विकसित भारत जी की राम जी योजना के तहत देश भर में श्रमिक कार्य कर रहे हैं जिनकी दैनिक मजदूरी सरकार द्वारा 281 रुपए निर्धारित की हुई है और कुशल श्रमिक की न्यूनतम मजदूरी ' 285 रुपए है और कुशल श्रमिक की 359 रुपये न्यूनतम मजदूरी निश्चित है- .VBG RAM G YOJNA के तहत कार्य कर रहे श्रमिको तथा प्रदेश भर के अकुशल व कुशल श्रमिको के हित मे इस महगाई में न्यूनतम मजदूरी 500 प्रतिदिन बढ़ोतरी करवाने का ज्ञापन सोपा

रायसिंहनगर क्षेत्र में ब्लेड तारों का खतरा बरकरार, गोवंश के बाद अब बच्चों की सुरक्षा पर भी मंडराया संकट

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर। क्षेत्र के खेतों में लगी खतरनाक ब्लेड तारों से आए दिन गोवंश के कटने और घायल होने की घटनाओं को लेकर बजरंग सेना टीम द्वारा पूर्व में धरना प्रदर्शन किया गया था। आंदोलन के बाद प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि खेतों में लगी कई खतरनाक तारों को हटाया जाएगा। जानकारी के अनुसार कुछ स्थानों पर कार्रवाई भी हुई, लेकिन आज भी कई गांवों के आसपास ब्लेड वाली तारें लगी होने से ग्रामीणों में भारी रोष बना हुआ है। ग्रामीणों और बजरंग सेना टीम का कहना है कि रायसिंहनगर तहसीलदार की जिम्मेदारी बनती है कि संबंधित हल्का पटवारियों से पूरी रिपोर्ट मंगवाई जाए कि किन-किन गांवों में ब्लेड तारें हटाई गईं और किन स्थानों पर अब भी लगी हुई हैं। लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ गांवों के नजदीक आज भी खेतों में खतरनाक तारें लगी हुई हैं, जिससे गोवंश लगातार चोटिल हो रहा है। लोगों का कहना है कि संबंधित पटवारी या तो क्षेत्र का निरीक्षण नहीं कर रहे या फिर मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे।

बजरंग सेना टीम ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इन ब्लेड तारों को पूरी तरह नहीं हटाया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि केवल गोवंश ही नहीं, बल्कि गांवों में खेलने वाले छोटे बच्चे भी इन तारों की चपेट में आ सकते हैं। यदि ऐसी कोई घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन और रायसिंहनगर तहसीलदार की होगी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत विशेष अभियान चलाकर गांवों के आसपास लगी सभी खतरनाक ब्लेड तारों को हटाया जाए और संबंधित अधिकारियों से जवाबदेही तय की जाए।

श्रीगंगानगर में नियमों का खेल? ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर क्यों नहीं कार्रवाई!

चमकता राजस्थान

श्रीगंगानगर (संजय बिश्नोई) । जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। आम लोगों का आरोप है कि परिवहन विभाग और संबंधित अधिकारी उन लोगों पर तो तुरंत कार्रवाई कर देते हैं जो विरोध नहीं कर सकते, लेकिन सड़कों पर खुलेआम मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों पर आंखें मूंद ली जाती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां क्षमता से कई गुना ज्यादा ईंटें और निर्माण सामग्री भर-

कर सड़कों पर दौड़ रही हैं। एक-एक ट्रॉली में हजारों ईंटें लाद दी जाती हैं, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। ऐसे ओवरलोड वाहन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। वहीं दूसरी ओर बजरी से भरे ट्रकों पर नियमों का हवाला देकर कार्रवाई की जाती है, चालान काटे जाते हैं, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के लिए अलग कानून है? आखिर क्यों इन वाहनों पर कार्रवाई नहीं होती?

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के मुख्य सड़कों से गुजरती हैं। न रिफ्लेक्टर, न सुरक्षा संकेत और न ही वजन की कोई सीमा का पालन। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग मौन बना हुआ है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क सुरक्षा को लेकर सभी वाहनों पर समान रूप से नियम लागू किए जाएं और ओवरलोडिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

''नियम सबके लिए बराबर होने चाहिए, नहीं तो सड़कें हादसों का इंतजार करती रहेंगी।''

फलोदी में विद्युत ठेका श्रमिकों ने उठाई आवाज, श्रमिकों के शोषण पर रोक लगाने की मांग

चमकता राजस्थान/अनिल सैन फलोदी। राजस्थान विद्युत श्रमिक ठेका कर्मचारी संघ, फलोदी के प्रतिनिधिमंडल ने जोधपुर पहुंचकर संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए जोधपुर डिस्कॉम के फलोदी वृत में कार्यरत ठेका श्रमिकों के शोषण पर रोक लगाने की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष दुर्गाराम भील के नेतृत्व में शैतानाराम, भंवर सिंह ढेलाणा, अरुण रामावतार, मेघराज, जगदीश विश्नोई, गोविंद और मनीषा पुनावत ने बताया कि अप्रैल 2026 से फलोदी वृत की 240 विद्युत उपचौकियों (GSS) का संचालन एवं रखरखाव विभिन्न ठेका फर्मों को सौंपा गया है, जिनमें 800 से अधिक कुशल श्रमिक कार्यरत हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि नई ठेका फर्मों का श्रम विभाग में पंजीयन नहीं है और वे श्रम कानूनों के अनुरूप न्यूनतम वेतन, सुरक्षा तथा अन्य सुविधाएं देने से बच रही हैं। कई श्रमिकों के पूर्व के वेतन भी लंबित हैं। संघ ने मांग की कि बिना पंजीयन वाली फर्मों पर कार्रवाई की जाए, पुराने श्रमिकों को यथावत रखा जाए तथा सभी ठेका श्रम अधिनियम और औद्योगिक विवाद अधिनियम की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए।

ज्ञापन की प्रतिलिपि श्रम विभाग जयपुर, प्रबंध निदेशक जोधपुर डिस्कॉम, मानवाधिकार आयोग सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

पिकअप गाडी में तरबूज की आड में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्कर के खिलाफ कार्यवाही

● पिकअप गाडी से तस्करी करते हुए एक तस्कर को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/ कमल साहू/ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतनसिह क्ढर के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर डॉ अनुकृति उज्जैनिया फ्ढर व वृताधिकारी वृत मसूदा जयसिह फ्ढर के सुपरविजन में थानाधिकारी समजिदा बानू पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा दौराने नाकाबन्दी डोडा पोस्त तस्करो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए मुल्जिम महावीर प्रसाद द्वारा पिकअप गाडी नम्बर आरजे 14 जीटी 2188 में तरबूज की आड मे छुपा कर रखे 02 प्लास्टिक के कटटो मे भरा अवैध 41 किलो 930 ग्राम डोडा पोस्त मय पिकअप गाडी के जब्त किया जाकर मुल्जिम महावीर प्रसाद गुर्जर पुत्र राधाकृष्ण जाति गुर्जर उम्र 36 साल निवासी ग्राम प्रतापपुरा पोस्ट अजगरा पुलिस थाना सरवाड जिला अजमेर (राज.) को गिरफ्तार किया गया। मुल्जिम से पूछताछ व अनुसंधान जारी है। पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ 41 किलो 930 ग्राम डोडा पोस्त जप्त कर महावीर प्रसाद गुर्जर पुत्र राधाकृष्ण जाति गुर्जर उम्र 36 साल निवासी ग्राम प्रतापपुरा पोस्ट अजगरा पुलिस थाना सरवाड जिला अजमेर को गिरफ्तार किया।

भामाशाहो के सहयोग से विद्यालय की तस्वीर बदलेगी

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय/सांचौर। सांचौर के निकटवर्ती धानता गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नवीन 8 कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह सोमवार को स्थानीय विद्यालय में आयोजित हुआ जिसमें ग्रामवासी व भामाशाहों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया । इस अवसर पर विभिन्न भामाशाहों के सहयोग से निर्माण कार्य होना सुनिश्चित हुआ है तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भामाशाह व ब्राह्मण के कर कमल के द्वारा कमरों के नींव का मुहूर्त किया गया। जिनमें श्री जीवाराम चौधरी विधायक सांचौर द्वारा विधायक मद से 3 कमरे, श्री डायाराम वालाजी चौधरी द्वारा 1 कमरा, श्री हेमाणी चौधरी परिवार द्वारा 1 कमरा,श्री मांगीलाल वीरदा जी चौधरी द्वारा 1 कमरा,श्री दिनेश कुमार खेमाराम (सवाजी) चौधरी द्वारा 1 कमरा और आदरणीय ग्रामवासियों के सहयोग से 1 कमरा शामिल है। इन सभी भामाशाहों को विद्यालय परिवार की तरफ से उज्जवल भविष्य की कामना करता है। शिक्षा के स्तर और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भामाशाहों द्वारा विद्यालय में कमरों के भेंट एक अत्यंत सराहनीय और प्राचीन परंपरा है । इस पुनीत कार्य से विद्यालय में बच्चों को बैठने की व्यवस्था में सुधार होगा और शिक्षा का स्तर बेहतर होगा ग्रामीण व भामाशाहों की सहयोग से इस विद्यालय के विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुल्तानपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साह से किया 48 यूनिट रक्तदान

चमकता राजस्थान/अब्दुल खालिद/सहारनपुर। फ़ैमिली ऑफ़ ब्लड डोनर्स ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को कस्बा सुल्तानपुर चिलकाना में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था के सोशल मीडिया और मीडिया विंग के अध्यक्ष नवनीत सैनी के संयोजन में आयोजित इस शिविर में कुल 48 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जबकि स्वास्थ्य मानकों (कम हीमोग्लोबिन या वजन आदि) के कारण करीब 20 से अधिक इच्छुक रक्तदाता रक्तदान नहीं कर सके, जिन्हें टीम द्वारा भविष्य में रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज पाँचाल ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित है और हमारे कुछ मिनट का यह प्रयास किसी जरूरतमंद परिवार को नया जीवन दे सकता है। वहीं संयोजक नवनीत सैनी ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में रक्त के अभाव को पूरी तरह समाप्त करना और लोगों में जागरूकता फैलाना है। पूर्णतः अनुशासित और चिकित्सीय मानकों के साथ संपन्न हुए इस शिविर को सफल बनाने में शुभम सैनी, अजय सैनी, अनमोल जैन, मोनू सैनी, मोहम्मद अहसान और विनीत कुमार सहित कई गणमान्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

ऑनलाइन दवा बिक्री और नकली दवाओं के विरोध में आज मेड़ता रोड के मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

चमकता राजस्थान

मेड़ता रोड/एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता रोड क्षेत्र में बुधवार को सभी मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। यह बंद 'ऑल इंडिया एवं राजस्थान केमिस्ट एसोसिएशन' के आ''ान पर ऑनलाइन दवा बिक्री तथा बाजार में बढ़ रही नकली और घटिया गुणवत्ता की दवाइयों के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। स्थानीय केमिस्ट एसोसिएशन ने क्षेत्र के सभी दवा विक्रेताओं से इस एक दिवसीय बंद को सफल बनाने की अपील की है। मेड़ता रोड केमिस्ट एसोसिएशन के अनुसार ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय मेडिकल

व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि बिना उचित सत्यापन और चिकित्सकीय निगरानी के इंटरनेट के माध्यम से दवाइयों की बिक्री आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

एसोसिएशन ने बाजार में नकली और निम्न गुणवत्ता वाली दवाइयों के बढ़ते नेटवर्क पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि ऐसी दवाइयां लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल सकती हैं। संगठन की प्रमुख मांगों में ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण तथा नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शामिल है।

केमिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा, ''यह लड़ाई केवल केमिस्टों के व्यवसाय की नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने की भी है।''

मेडिकल स्टोर बंद रहने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयां खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, एसोसिएशन ने दावा किया है कि आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सेवाओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया।

भारत विकास परिषद महिला प्रकोष्ठ ने लगाए परिंडे, स्किल डेवलपमेंट शिविर होगा आयोजित

चमकता राजस्थान

अनिल शेखर/ धौलपुर। भारत विकास परिषद शाखा धौलपुर के महिला प्रकोष्ठ द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अटल सेवा केंद्र, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग में पक्षियों के लिए पानी पीने हेतु परिंडे लगाए गए। इस दौरान संयुक्त निदेशक बलभद्र सिंह ने परिषद द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना पुण्य का कार्य है तथा समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भीषण गर्मी में जीव-जंतुओं एवं पक्षियों के संरक्षण हेतु आमजन से भी आगे आने की अपील की।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद महिला प्रकोष्ठ द्वारा आगामी जून माह के प्रथम सप्ताह में स्कूली बच्चों के लिए पांच दिवसीय स्किल डेवलपमेंट शिविर आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। शिविर में बच्चों को ब्यूटिशियन, डांस, मेहंदी, हारमोनियम, कंप्यूटर कोर्स एवं सिलाई सहित विभिन्न प्रशिक्षण दिए जाएंगे, जिससे विद्यार्थी ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग कर नई-नई कौशल गतिविधियों को सीख सकेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929